हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 296 : जौनपुर, शुक्रवार 28 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

सुप्रीम कोर्ट ने मानी मोदी सरकार की मन की बात

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय संजय कुमार मिश्रा को 15 सितंबर तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक पद पर बने रहने की अनुमति दे दी। सरकार ने यह कहते हुए उनका कार्यकाल 15 अक्टूबर तक बढ़ाने की मांग की थी कि मिश्रा की अनुपस्थिति देशहित में होगी। वित्तीय कार्रवाई कार्य बल की चल रही समीक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। शीर्ष अदालत ने 11 जुलाई को कहा था कि ईडी प्रमुख के रूप में मिश्रा के कार्यकाल का तीसरा विस्तार अवैध था और 2021 में उसके फैसले का उल्लंघन था। हालांकि, सुचारू स्थानांतरण की अनुमति देने के लिए उन्हें 31 जुलाई तक पद पर बने रहने की अनुमति दी थी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जेंट अर्जी दाखिल कर ईडी प्रमुख का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। इसमें कहा गया है कि एफएटीएफ समीक्षा एक महत्वपूर्ण चरण में है और प्रभावशीलता पर प्रस्तुतियाँ 21 जुलाई, 2023 को दी गई हैं और नवंबर 2023 में एक ऑन–साइट दौरा आयोजित किया जाना है। शीर्ष अदालत ने मिश्रा का कार्यकाल बढ़ाते हुए कहा कि केंद्र के आवेदन पर केवल इसलिए विचार किया गया क्योंकि यह देश के हित में था।

भाजपा प्रवक्ता विनोद शर्मा ने पार्टी से इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर बिहार बीजेपी के प्रवक्ता विनोद शर्मा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। शर्मा ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के बयान की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मणिपुर की स्थिति ने श्भारत को बदनामश किया है। उन्होंने कहा कि मैंने भारी मन से भाजपा से इस्तीफा दे दिया है। मणिपुर की स्थिति ने भारत को बदनाम किया है। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न घुमाने का भयावह वीडियो सामने आने के बाद से बीजेपी की राज्य सरकार और केंद्र निशाने पर है। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष जातीय संघर्षग्रस्त मणिपुर की स्थिति पर संसद में प्रधान मंत्री से बयान देने और उसके बाद इस पर पूर्ण चर्चा की मांग कर रहा है।

उद्धव ठाकरे बोले मेरा देश मेरा परिवार है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विपक्ष पर कटाक्ष करने के कुछ दिनों बाद उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन उनके परिवारों को बचाने के लिए बनाया गया। शिव सेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि विपक्षी दल वास्तव में हमारे परिवार को बचाने के लिए एक साथ आए क्योंकि मेरा देश मेरा परिवार है। उद्धव ने कहा कि हां हम अपने परिवार को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। मेरा देश मेरा परिवार है। यह मेरा हिंदुत्व है। मैंने कोविड के दौरान श्मेरा परिवार, मेरी जिम्मेदारीश की अवधारणा को लागू किया। आज पूरे देश में इसे लागू करने का समय आ गया है। 18 जुलाई को बेंगलुरु में विपक्षी गठबंधन की बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उनका मंत्र श्परिवार का, उसके द्वारा और परिवार के लिएश है।

पूर्व सांसद को मिली 4 साल की सजा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली की विशेष अदालत ने यूपीए काल के कुख्यात कोयला घोटाले में कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सदस्य विजय दर्डा को चार साल जेल की सजा सुनाई है। विजय दर्डा के साथ–साथ उनके बेटे देवेन्द्र दर्डा को भी छत्तीसगढ़ में कोयला ब्लॉक आवंटन में अनियमितता के आरोप में चार साल जेल की सजा सुनाई गई है। जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मनोज कुमार जयासवाल को भी पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता के साथ चार साल जेल की सजा सुनाई गई, जबकि केएस क्रोफा और केसी सामरिया को तीन साल जेल की सजा मिली। दिल्ली कोर्ट ने मेसर्स जेएलडी यवतमाल पर 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

पीएम मोदी ने सीकर में पीएम प्रणाम योजना और किसान समृद्धि केंद्र की शुरुआत की व पांच मेडिकल कालेजों का किया उद्घाटन

राजस्थान से मोदी का I.N.D.I.A. पर हमला, कहा– इंडिया की चिंता होती तो विदेश जाकर निंदा करते क्या

सीकर राजस्थान (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान दौरे पर हैं। उन्होंने सीकर में 9 करोड़ किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि के 17 हजार करोड़ रुपये जारी किए हैं। साथ ही पीएम प्रणाम योजना और किसान समृद्धि केंद्र की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के पांच मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन कर सात का शिलान्यास भी किया। आजादी का आंदोलन जब पूरी प्रखरता पर था तो महात्मा गांधी ने एक नारा दिया था, तब महात्मा गांधी ने जो नारा दिया था आज फिर से देश के कल्याण के लिए उस नारे की जरूरत है। महात्मा गांधी ने नारा दिया था– अंग्रेजों भारत छोड़ो और अंग्रेजों को देश छोड़कर जाना पड़ा था। जैसे गांधी जी ने भारत छोड़ो का नारा दिया था, वैसे ही आज का मंत्र है– भ्रष्टाचार छोड़ो इंडिया, परिवारवाद छोड़ो इंडिया, तुष्टिकरण छोड़ो इंडिया। यह क्विट इंडिया ही देश को बचाएगा। इसी के साथ पीएम मोदी ने अपना संबोधन समाप्त कर दिया। पीएम मोदी ने कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा– कांग्रेस और उसकी जामत उन फ्रॉड कंपनियों की तर्ज पर काम कर रही है जो एक कांड कर के नाम बदल कर दूसरे नाम से नया कांड कर सके। मोदी ने इंडिया गठबंधन की तुलना इस्ट इंडिया कंपनी से करते हुए कहा कहा– अगर, उन्हें इंडिया की चिंता होती तो विदेश जाकर भारत की निंदा करते क्या। अगर, इन्हें इंडिया की चिंता होती तो क्या ये सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाते। अगर, इन्हें इंडिया की चिंता होती तो क्या ये गलवां में सैनिकों की शहादत पर सवाल पूछते। राजस्थान में युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। पेपर लीक उद्योग चल रहा है। राजस्थान के युवा काबिल हैं, लेकिन यहां की सरकार उनके भविष्य को बर्बाद कर रही है। यहां सत्ताधारी दल के लोगों पर ही पेपर लीक माफिया होने का आरोप लग रहा है। युवाओं को पेपर लीक माफिया से बचाने के लिए कांग्रेस को हटाना ही होगा। पीएम मोदी ने कहा– राजस्थान के विकास के लिए केंद्र सरकार लगातार पैसे भेज रही है। जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, 10 साल में राजस्थान को टैक्स की हिस्सेदारी के रूप में 1 लाख करोड़ ही दिए गए थे। बीते 9 साल में भाजपा सरकार ने टैक्स हिस्सेदारी के रूप में राजस्थान को 4 लाख करोड़ से ज्यादा दिए हैं। जब केंद्र में 10 साल कांग्रेस की सरकार थी तब राजस्थान को सेंट्रल ग्रांट के रूप में भी करीब 50,000 करोड़ ही दिए गए थे, हमारी सरकार ने 9 साल में सेंट्रल ग्रांट के तौर पर राजस्थान को 1.5 लाख करोड़ से ज्यादा दिए हैं। मोदी ने कहा–जब से प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनी है तब विकास काम में रोड़े अटकाने का काम चल रहा है।

उन्होंने कहा कि मैंने राजस्थान वासियों से वादा किया था कि हर घर नल से जल दूंगा, लेकिन राजस्थान सरकार इसे भी अटका कर रखना चाहती है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में लगातार किसानों के हित में फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम–किसान की आज की 14वीं किश्त को जोड़ दें तो अब तक 2 लाख 60 हजार करोड़ से अधिक रुपये किसानों के बैंक खातों में सीधे भेजे गए हैं। इन पैसों ने छोटे–छोटे अनेक खर्च निपटाने में किसानों की बहुत मदद की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र पर ही किसानों को बीज भी मिलेगा और खाद भी।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि तय! पीएम मोदी को भेजा गया औपचारिक निमंत्रण

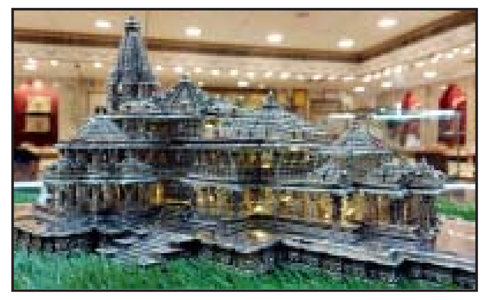

नई दिल्ली (एजेन्सी)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में राम जन्मभूमि स्थल पर बन रहे भव्य मंदिर के पवित्र गर्भगृह में भगवान राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए औपचारिक रूप से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। जनवरी 2024 में होने वाले इस समारोह में लगभग 10,000 मेहमान मौजूद रहेंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि उन्होंने 15 जनवरी से 24 जनवरी के बीच कई तारीखों की पेशकश की है। हालांकि, उन्होंने कहा, सटीक तारीख प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित की जाएगी। ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास द्वारा हस्ताक्षरित निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि पीएम की उपस्थिति से भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बताया जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियों ने समारोह के लिए एक अचूक, अतिथि–उन्मुख सुरक्षा तंत्र तैयार किया है। अयोध्या प्रशासन सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहयोग कर रहा है क्योंकि उसे श्रद्धालुओं के काफी संख्या में आने की उम्मीद है। मंदिर का भूतल इस साल दिसंबर तक पूरा होने की संभावना है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, निर्माण कार्य अब 18 घंटे की शिफ्ट की जगह, चौबीसों घंटे चलाया जा रहा है। मंदिर ट्रस्ट ने कार्यबल को 550 से बढ़ाकर लगभग 1,600 मजदूरों और तकनीशियनों तक कर दिया है। गौरतलब है कि मार्च में राम मंदिर को महज 15 दिनों में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का दान मिला था। अयोध्या राम मंदिर में श्प्राण प्रतिष्ठाश समारोह 15–24 जनवरी, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतिम दिन अभिषेक समारोह में शामिल होंगे।

राजस्थान के बयान से पाकिस्तान में मची खलबली, दी शांति रखने की सलाह

रक्षा मंत्री ने भविष्य में जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए एलओसी पार करने की चेतावनी दी तो पाकिस्तान में हड़कंप मच गया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भविष्य में जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए एलओसी पार करने की चेतावनी दी तो पाकिस्तान में हड़कंप मच गया। एक ओर पाकिस्तान में खाने के लाले पड़े हैं तो दूसरी ओर भारत के रक्षा मंत्री ने ऐसी चेतावनी दे दी है कि पाकिस्तान के हुक्मरानों के बीच खलबली मच गयी है। पाकिस्तान में इस मुद्दे को लेकर सेना और सरकार के वरिष्ठ लोगों के बीच बैठकों का दौर जारी है। पाकिस्तान में यह सवाल उठ रहा है कि जिस तरह बार–बार भारत पीओके की बात कर रहा है तो कहीं उसने कोई बड़ी योजना तो नहीं बना रखी है? राजनाथ सिंह के ताजा बयान ने पाकिस्तान को हिला कर रख दिया है जिसके चलते पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की ओर से आनन फानन में जारी किये गये बयान में भारत के रक्षा मंत्री की उस टिप्पणी की निंदा की गयी है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत अपना सम्मान और प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान ने कहा कि "युद्ध भड़काने वाली बयानबाजी" क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए खतरा है। इस्लामाबाद में विदेश कार्यालय ने कहा है कि पाकिस्तान किसी भी आक्रामकता के खिलाफ अपनी रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। पाकिस्तान विदेश कार्यालय के एक बयान में कहा गया, "हम भारत को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह देते हैं क्योंकि उसकी आक्रामक बयानबाजी क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा है और दक्षिण एशिया में रणनीतिक माहौल को अस्थिर करने वाली है।" बयान में कहा गया है कि यह पहली बार नहीं है कि भारत के नेताओं और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने कश्मीर और गिलगित–बाल्टिस्तान के बारे में "अत्यधिक गैर–जिम्मेदाराना" टिप्पणी की है। हम आपको याद दिला दें कि कश्मीर मुद्दे और पाकिस्तान से होने वाले सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। पांच अगस्त, 2019 को भारत द्वारा संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, जम्मू–कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध और खराब हो गए थे। बहरहाल, जहां तक राजनाथ सिंह के बयान की बात है तो हम आपको बता दें कि लद्दाख के द्रास में बुधवार को 24वें करगिल विजय दिवस के अवसर पर करगिल युद्ध स्मारक में अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा था कि देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए हाई कोर्ट के फैसले को किया रद, इसे स्व-विरोधाभासी बताया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश पर आश्चर्य व्यक्त किया, जिसने एक आपराधिक मामले में पांच आरोपियों द्वारा दायर गिरफ्तारी पूर्व जमानत की याचिका खारिज कर दी। साथ ही उन्हें दो महीने के लिए दंडात्मक कदमों से सुरक्षा प्रदान की। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को आत्म–विरोधाभासी बताया। इसके बाद आरोपियों ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि उन्हें एक आवेदन दायर करने की अनुमति दी जाए और आश्वासन मांगा कि आवेदन पर निर्णय होने तक उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, यह प्रावधान किया गया है कि आवेदक उपरोक्तानुसार डिस्चार्ज आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उच्च न्यायालय के आदेश में कहा गया है कि आज से दो महीने की अवधि के लिए आवेदकों के खिलाफ कोई दंडात्मक उपाय नहीं अपनाया जाएगा। बाद में राज्य ने आदेश के खिलाफ अपील की, जिस पर 18 जुलाई को जस्टिस बीआर गवई और जेबी पारदीवाला की पीठ के समक्ष सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के हवाले से कहा गया कि हम इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश को देखकर आश्चर्यचकित हैं।

जयशंकर की नसहीत- राष्ट्रीय हित में राजनीति को रखें किनारे

मणिपुर की स्थिति से संबंधित विपक्षी सदस्यों की मांगों को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में गुरुवार को व्यवधान का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा कि मैं पिछले महीने में हुए विकास के बारे में सदन को सूचित करना चाहता था। आपने पीएम की अमेरिका की बहुत सफल यात्रा देखी...मुझे बुरा लगा कि विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं था। ऐसा लग रहा था कि वे देश की हर उपलब्धि की आलोचना करना चाहते थे। विदेश नीति एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम आम तौर पर एक साथ काम करते हैं। हम देश के भीतर बहस कर सकते हैं लेकिन देश के बाहर हमें एकजुट होकर प्रदर्शन करना चाहिए। आज विपक्ष का आचरण ऐसा होना चाहिए इस पर गौर किया जाना चाहिए, जब राष्ट्रीय हित की बात हो तो राजनीति को किनारे रख देना चाहिए और इसकी सराहना करनी चाहिए। मणिपुर की स्थिति से संबंधित विपक्षी सदस्यों की मांगों को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में गुरुवार को व्यवधान का सामना करना पड़ा और दोनों सदनों को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। जहां लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए शुरू होने के तुरंत बाद स्थगित कर दी गई, वहीं राज्यसभा को पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राज्यसभा में कार्यवाही की शुरुआत से ही शोर–शराबा देखने को मिला। विपक्षी दल के सदस्यों ने नियम 287 के तहत चर्चा सहित मणिपुर की स्थिति से संबंधित अपनी मांगों को लेकर नारे लगाए। कई विपक्षी सदस्य काले कपड़े पहने हुए थे। जब विदेश मंत्री एस जयशंकर विदेश नीति में नवीनतम विकासश पर एक बयानश दे रहे थे तो विपक्षी सदस्यों के नारे लगाने के कारण लगातार व्यवधान का सामना करना पड़ा। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने भी कुछ देर के लिए ष्मोदी, मोदीष के नारे लगाकर उनका प्रतिवाद किया। अध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने कहा कि यह दशक भारत का है और देश का उत्थान अजेय है। धनखड़ ने उपसभापति के रूप में अपनी विदेश यात्राओं का जिक्र किया और कहा कि भारत का नागरिक होना बड़े सम्मान की बात है। हम देश के भीतर बहस कर सकते हैं लेकिन देश के बाहर हमें एकजुट होकर प्रदर्शन करना चाहिए। आज विपक्ष का आचरण ऐसा होना चाहिए इस पर गौर किया जाना चाहिए, जब राष्ट्रीय हित की बात हो तो राजनीति को किनारे रख देना चाहिए और इसकी सराहना करनी चाहिए। मणिपुर की स्थिति से संबंधित विपक्षी सदस्यों की मांगों को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में गुरुवार को व्यवधान का सामना करना पड़ा और दोनों सदनों को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

हम उनके बयान की मांग कर रहे लेकिन वे राजस्थान में राजनीतिक भाषण दे रहे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के खिलाफ लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाने के एक दिन बाद, विभिन्न विपक्षी दलों के नेता, जो इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं, आज काले कपड़े पहने नजर आए। उन्होंने मणिपुर पर चर्चा की अनुमति नहीं देने और उनके अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू नहीं करने के लिए ट्रेजरी बेंच के विरोध में ऐसा करने का फैसला किया। विपक्षी नेता मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की अनुमति नहीं देने के लिए सरकार के खिलाफ और साथ ही हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर राज्य पर दोनों सदनों में बयान नहीं देने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ संसद में हर दिन विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। एक ओर जहां संसद में मणिपुर को लेकर विपक्षी दल नरेंद्र मोदी के बयान की मांग कर रहे हैं। वहीं, प्रधानमंत्री आज राजस्थान दौके पर हैं जहां से उन्होंने इंडिया को लेकर कड़ा प्रहार किया है। इसी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पलटवार किया है। खड़गे ने कहा कि सदन चल रहा है, हम मांग कर रहे हैं कि च्ड वहां आएं और बयान दें लेकिन वे राजस्थान में राजनीतिक भाषण दे रहे हैं और चुनाव की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब वे वहां जा सकते हैं ।

राहुल गांधी का आरोप- सिर्फ सत्ता चाहती है भाजपा इसके लिए देश भी जला देगी

मणिपुर को लेकर देश की राजनीति जबरदस्त तरीके से गर्म है सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने–सामने है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मणिपुर को लेकर देश की राजनीति जबरदस्त तरीके से गर्म है। सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने–सामने है।, सड़क से लेकर संसद तक लगातार वार पलटवार की राजनीति चल रही है। इन सबके बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मणिपुर मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल के जरिए राहुल गांधी का वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में राहुल गांधी केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते दिखाई दे रहे हैं। राहुल गांधी ने मणिपुर मामले को लेकर सरकार से कई सवाल पूछे हैं। अपने वीडियो में राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी मणिपुर के लिए क्या कर रहे हैं? वे मणिपुर के बारे में कुछ बोल क्यों नहीं रहे हैं? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि नरेंद्र मोदी जी को मणिपुर से कोई लेना देना नहीं है। वो जानते हैं कि उनकी ही विचारधारा ने मणिपुर को जलाया है। राहुल ने आरोप लगाया कि BJP-RSS सिर्फ सत्ता चाहती है और सत्ता पाने के लिए ये कुछ भी कर सकती है। उन्होंने कहा कि सत्ता के लिए ये मणिपुर को जला देंगे, सारे देश को जला देंगे। इनको देश के दुख और दर्द से कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस नेता ने कहा कि RSS-BJP और कांग्रेस के बीच विचारधारा की लड़ाई चल रही है। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस की विचारधारा– संविधान की रक्षा, देश को जोड़ने और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ने की है। वहीं RSS-BJP चाहती है कि कुछ चुनिंदा लोग यह देश चलाएं और देश का सारा धन उन्हीं के हाथ में हो। उन्होंने कहा कि आपके दिल में देशप्रेम है। जब देश को चोट लगती है, देश के किसी नागरिक को चोट लगती है तो आपके दिल को भी चोट लगती है। आप उदास हो जाते हैं। मगर BJP-RSS के लोगों को कोई दुःख नहीं, कोई दर्द नहीं हो रहा, क्योंकि ये हिंदुस्तान को बांटने का काम कर रहे हैं। आपको बता दें कि संसद के दोनों सदनों में मणिपुर को लेकर हंगामा जारी है। लगातार विपक्षी दल इस पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। सरकार का दावा है कि वह चर्चा को तैयार है। हालांकि, विपक्षी दल यह भी कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी को इस पर संसद में बयान देना चाहिए।

पीएम मोदी के लाल डायरी वाले बयान पर अशोक गहलोत का पलटवार

राजस्थान (एजेन्सी)। राजस्थान में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति दिलचस्प हो गई है। भाजपा और कांग्रेस के बीच वर्ग पलटवार का दौर जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज के सीकर में थे। सीकर में उन्होंने अशोक गहलोत की सरकार पर निशाना साधा। इसके साथ ही उन्होंने लाल डायरी का भी जिक्र किया। वर्तमान में देखें तो राजस्थान में लाल डायरी की खूब चर्चा है। दरअसल, गहलोत सरकार से निष्कासित मंत्री राजेंद्र गुढ़ा विधानसभा में लाल डायरी लेकर पहुंचे थे। इस डायरी को उनसे छीन लिया गया था। इसके बाद राजेंद्र गुढ़ा ने दावा किया था कि इस लाल डायरी में कांग्रेस के कई नेताओं के राज छिपे हुए हैं। अब इसके बाद से भाजपा लाल डायरी को मुद्दा बनाकर कांग्रेस पर निशाना साधा रही है। सीकर में मोदी ने लाल डायरी के बहाने अशोक गहलोत की सरकार पर निशाना साधा। इसके बाद गहलोत की ओर से भी पलटवार किया गया है। अशोक गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री को लाल डायरी, जो डायरी कपोल कल्पित है।

सम्पादकीय

विपक्ष की प्राथमिकता, कुछ और ही बयान कर रहा उसका रवैया

विपक्षी गठबंधन इंडिया यानी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस की ओर से सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर विचार–विमर्श से यही स्पष्ट हो रहा है कि उसकी रुचि संसद में मणिपुर पर चर्चा में नहीं, बल्कि अपनी ताकत दिखाने की है। शायद इसी कारण वह अपनी इस मांग पर अड़ा है कि चर्चा तब होने दी जाएगी, जब प्रधानमंत्री बयान देंगे। यह हठधर्मी के अलावा और कुछ नहीं, क्योंकि अभी तक यही परंपरा रही है कि मामला जिस मंत्रालय से जुड़ा होता है, उसके मंत्री से ही जवाब देने की मांग और अपेक्षा होती है। चूंकि मणिपुर का मामला केंद्रीय गृह मंत्रालय से संबंधित है और गृह मंत्री वहां का दौरा भी कर चुके हैं, इसलिए यह सर्वथा उचित है कि वही वहां की विषम परिस्थितियों पर बयान दें। गत दिवस उन्होंने बयान देने की कोशिश भी की, लेकिन विपक्ष हंगामे पर उतर आया। अब गृह मंत्री ने दोनों सदनों में विपक्ष के नेताओं को पत्र लिखकर यह स्पष्ट किया है कि मणिपुर पर दलगत राजनीति से उपर उठकर चर्चा क्यों आवश्यक है। उन्होंने विपक्षी दलों से सहयोग का आग्रह करते हुए यह भी लिखा है कि यह समय मणिपुर की जनता को यह संदेश देने का है कि संसद उसके साथ है। निःसंदेह इस समय देश और विशेष रूप से मणिपुर को संसद की ओर से यही संदेश जाना चाहिए कि सभी राजनीतिक दल वहां की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह निराशाजनक है कि जब विपक्ष को मणिपुर पर चर्चा के लिए तत्पर दिखना चाहिए, तब उसकी ओर से सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की संभावना टटोली जा रही है। विपक्ष को ऐसा प्रस्ताव लाने का अधिकार है, लेकिन आखिर इस समय आवश्यक क्या है– मणिपुर पर चर्चा या फिर संसद में अपना शक्ति प्रदर्शन? विपक्ष के रवैये को देखते हुए इसके आसार कम ही हैं कि उस पर गृह मंत्री की चिट्ठी का कोई असर पड़ेगा, क्योंकि वह अपनी सारी ऊर्जा हंगामा करने में खपाए हुए है। भले ही विपक्ष मणिपुर को लेकर चिंतित दिखने की कोशिश कर रहा हो, लेकिन उसका रवैया कुछ और ही बयान कर रहा है। वह जानबूझकर न केवल ऐसी परिस्थितियां पैदा कर रहा है, जिससे संसद में मणिपुर पर चर्चा ही न हो सके, बल्कि इस कोशिश में भी है कि अन्य कोई विधायी कामकाज भी न हो सकें। संसद के इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश होने हैं। एक विधेयक दिल्ली सरकार संबंधी अध्यादेश के रूप में भी है। भले ही कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के दबाव में यह कह दिया हो कि वह इस अध्यादेश का विरोध करेगी, लेकिन यह मानने के अच्छे–भले कारण हैं कि वह हल्ला–हंगामा करके ऐसी नौबत नहीं आने देना चाहती, जिससे उसे संसद में इस अध्यादेश पर अपना रुख स्पष्ट करना पड़े। हैरानी नहीं कि हंगामे की एक बड़ी वजह यह भी हो।

विद्रोही की कविताएं भीड़ की तरह बोलती हैं

जीवन स्थायित्व की तलाश करता है। कवि ने अस्थायित्व को चुना। बेघर रहा, हर रात का दर ही उसका घर रहा। जहाँ शाम हो जाए, जहाँ नींद आ जाए वहीं घर हो जाए। उन्होंने जीवन इसी तरह जिया। रमा शंकर यादव नाम मिटता गया और वह विद्रोही बनता गया, कवि विद्रोही और विद्रोह का कवि। सबने उन्हें इसी नाम से जाना। लोगबाग जेएनयू आते तो उन्हें इसी नाम से खोजते। विद्रोही कुछ वक्त के लिए अगर कहीं चले जाते तो जेएनयू उन्हें इसी नाम से खोजता। यहीं उनका घर था। यहाँ के ढाबे और यहाँ की सारी जगहों के रिक्त स्थानों में जरूरी शब्द की तरह जरूरी वक्त पर वे खड़े हो जाते। लड़ाई में लोग कम होते तो उनकी कविताएँ भीड़ की तरह बोलने लगतीं। जेएनयू के पत्थरों को उनके पीठ के निशान की आदत सी हो गई थी जो शायद अब भी बची हों। सर्दियों के एक दिन वह शहर की तरफ गया, छात्रों के साथ किसी लड़ाई का हमवार होने और लौटा तो उसकी लाश लौटी। कविता बड़बड़ाते हुए वह चुप हो गये... वह 3 बरस पहले के दिसंबर की यही शाम थी। कुछ नारे लगाते हुए, कुछ कविता बड़बड़ाते हुए वह चुप हो गया अचानक। वहीं, शहर और जुलूस की भीड़ के बीचोबीच। वह कविता के तौर–तरीकों से लेकर जीवन तक में विद्रोही रहा। वह कविताओं का लेखक नहीं था, एक बुनकर कवि था जो अपने ही भीतर कविताओं को बुनता–धुनता और वक्त–बेवक्त उन्हें सुनाता। कवि जिसका लिखा हुआ कुछ भी नहीं है, सबकुछ कहा हुआ है। उनका कहा हुआ ही और लोगों ने लिखा और एक अकेली उनकी किताब का शीर्षक दे दिया 'नयी खेती'। विद्रोही, इंसान के रूप में एक बिम्ब की तरह थे। सबको समझने का अलग–अलग मायने देते हुए, जीवन और लिबास में जर्जर, और एक मजबूत जनकवि उसके भीतर। लिबास से आदमी को पहचान करने वालों के लिए पूर्ण विराम लगाते हुए। इंसान की पहचान का कोई और मायने बताते हुए। वे इंसान को समझने और उसे भीतर से कहीं तलाशने का तौर देते थे। बेसुमार नामों में छूटा हुआ होना ही कवि होना है... जो उस इंसान की भाषा में है, जो उसके जीवन जीने के सलीके में है। शुमार कवियों के नामों में उनका नाम छूट गया, छोड़ दिया गया। आलोचकों से भी, साहित्य के मठाधीशों से भी। बेशुमार नामों में छूटा हुआ होना ही उनका कवि होना है। एक अलग रास्ते का कवि, पगडंडी की तरफ जाता हुआ कवि। पढ़ाई अधूरी छोड़ दी, ऐसा लोग कहते हैं। जबकि आखिरी वक्त तक देश और दिल्ली की लड़ाई ही उनकी पढ़ाई रही। जुलूस, नारे, भीड़ और समारोह ही उनकी किताबें थीं। बदलाव की लड़ाइयों के हमवार रहे वे। सबकी बातों के बाद आखिर में अपनी बात कहते, जोर से कहते और यही उनकी कविता होती। जिसमे इतिहास से वर्तमान तक सिमटा होता। वह इतिहास जो लिखा नहीं गया। जिसे लिखने के बजाय हर बार मिटाया जाता रहा। उसी मिटे हुए को वे सुनाते रहे। कविता में इतिहास को बताते रहे। वे अपने को बचाने की बात कहते हुए एक इतिहासबोध, एक सभ्यता को बचाने की बात करते हैं। वे लिखते हैं कि– तुम वे सारे लोग मिलकर मुझे बचाओ जिसके खून के गारे से पिरामिड बने, मीनारें बनीं, दीवारें बनीं क्योंकि मुझको बचाना उस औरत को बचाना है जिसकी लाश मोहनजोदड़ो के तालाब की आखिरी सीढ़ी पर पड़ी है मुझको बचाना उस इंसान को बचाना है जिसकी हड्डियां तालाब में बिखरी पड़ी हैं मुझको बचाना अपने पुरखों को बचाना है मुझको बचाना अपने बच्चों को बचाना है तुम मुझे बचाओ ! मैं तुम्हारा कवि हूँ मैं किसान हूँ, आसमान में धान बो रहा हूँ यह बचाना इतिहास में उस समाज को बचाना है, जो दुनिया को गढ़ रहा है और खुद लगातार मर रहा है। जिसका रचा हुआ ही इतिहास का बनना है, इतिहास की रचना है पर वहाँ से उसे गायब कर दिया गया है। यह एक चेतना है जो मेहनतकशों की गवाही के लिए विद्रोही अपनी कई कविताओं में खड़ा करते हैं। उनकी कविताएं सवाल करती थीं, तर्क करती थीं और जवाब देती थीं। जिस तरह से उनका जीवन बनी बनाई मान्यताओं को तोड़ता हुआ जीवन था, उसी तरह कविताओं में वे सवालों और तर्कों के जरिए बनी हुई झूठी मान्यताओं को तोड़ते थे। धर्म से तर्क करते थे, विद्रोह की भाषा में उससे जिद करते थे, नई खेती कविता में वे बोलते हैं कि मैं किसान हूँ आसमान में धान बो रहा हूँ कुछ लोग कह रहे हैं कि पगले आसमान में धान नहीं जमता मैं कहता हूँ कि गेगले–गोगले अगर जमीन पर भगवान जम सकता है तो आसमान में धान भी जम सकता है ...भविष्य में वह आखिरी औरत कौन होगी इस तरह वे सवाल करते। सवाल में तर्क करते और तर्क को जिद में बदल देते, जिद ही उनकी कविता के अंत का मूल होती है। जो उनके जीवन और कविता दोनों में दिखती है। अपनी एक कविता श्औरतश जिसे वे अक्सर सुनाया करते थे, उसके अंत में भी तर्क के साथ इसी जिद के होने को हम देख सकते हैं। विद्रोही ने अवधी में भी कुछ कविताएँ लिखी। जिनके विषय अवध के लोग और अवध का लोक रहा। जमीन, बिरहा और आसपास को समझाते–बताते हुए। यह उनका अपना देस था जिसकी देसजता को वे बखूबी समझते और सुनाते रहते। हिंदी में कहते–बोलते हुए वे अवधी सुनाने लगते। वे इन्हीं तर्कों के साथ ही सहज बोलचाल की भाषा में सवाल की कविता करते।

विकराल समस्या बनता लचर शहरी ढांचा

तरुण गुप्त

कारखानों से निकलने वाले अपशिष्ट के शोधन में लगे संयंत्र स्तरीय नहीं हैं। इस अशोधित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट को नालियों (या ड्रेन्स) में बहा दिया जाता है, जिस कारण ये अट जाती हैं और फिर जरा सी बारिश में अनियंत्रित होकर बहने लगती हैं। हमारा लक्ष्य रहा है कि इन नालियों को सीधे हमारी पवित्र नदियों में गिरने से पहले शोधन संयंत्रों के साथ जोड़ दिया जाए। जहां यह कार्य अभी भी अपूर्ण है, वहीं हमें यह भी विचार करना चाहिए कि क्या यह प्रयास अपने आप में पर्याप्त है? क्या हम यह स्वीकार कर सकते हैं कि कचरे से भरी नालियां हमारे शहरों में कई किलोमीटर लंबा विस्तार लेकर बहती रहें? वे पर्यावरण को प्रदूषित करती हैं, भूजल को दूषित करती हैं और खेती को हानिकारक बनाती हैं। नियमित अंतराल पर दुर्घटनाओं के कारण इनमें गिरने से लोगों को जान भी गंवानी पड़ती है। इन परिस्थितियों में खुले में शौच से मुक्ति का हमारा दावा भी बेमानी लगता है। इसका समाधान खासा सरल, लेकिन स्पष्ट रूप से गायब है। आखिर प्रत्येक घर और प्रतिष्ठान में एक भूमिगत पाइप कनेक्शन सुनिश्चित कर उसे शोधन संयंत्र के साथ जोड़ना कितना कठिन है?

मानसून के दौरान हर साल हमारे शहरों में अव्यवस्था की कहानी बहुत आम हो गई है। यह बात नीति–नियंताओं को पता नहीं अब किस भाषा में समझानी होगी, क्योंकि अतीत से कोई सीख या सबक लिया ही नहीं जा रहा। इसी कारण हमारे शहर जरा सी बारिश में पानी से लबालब हो जाते हैं। उनमें जलजमाव, ट्रैफिक जाम, सड़कों का धंस जाना, करंट दौड़ जाने से लेकर जानमाल की भारी क्षति होती है। विडंबना यह है कि ऐसी घटनाएं इतनी आम हो गई हैं कि ये हमें आक्रोशित अवश्य करती हैं, किंतु आश्चर्यचकित नहीं। लचर बुनियादी ढांचे और जर्जर स्थानीय निकायों की समस्या बहुत विकराल हो चुकी है। इनकी निंदा को लेकर एक पत्रकार के रूप में हमारे समक्ष एक चुनौती यह भी उत्पन्न हो गई है कि ऐसी आलोचना की अभिव्यक्ति में नयापन कैसे लाएं। इस साल भी मानसून को लेकर हमारा अनुभव पिछले वर्ष से अलग नहीं रहा। हमारे शहरों की भयावह स्थिति और मानसून से निपटने की प्रशासन की तैयारी ने समान रूप से निराश किया। अपने स्पष्टीकरण में प्रशासन ने अप्रत्याशित एवं एकमुश्त वर्षा जैसे कारण गिनाए। इन बहानों से अवश्य ही बाज आना चाहिए। अप्रत्याशित शब्द तो इतने अतिशय रूप से उपयोग होने लगा है कि अपना अर्थ खोता जा रहा है। हर साल रिकार्ड टूट रहे हैं। इसे व्यापक अराजकता के बचाव से अधिक सांख्यिकीय आंकड़ेबाजी के रूप में देखना चाहिए। जहां तक एकमुश्त बारिश की बात है तो यह निष्कर्ष निकालने के लिए आपको कोई जलवायु विशेषज्ञ होने की आवश्यकता नहीं कि वैश्विक तापवृद्धि के कारण समय के साथ प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं की आवृत्ति बढ़ती जा रही है। पूरी दुनिया में लोग इससे भलीभांति परिचित हैं कि उन्हें भीषण ठंड, झुलसाने वाली गर्मी और अतिवृष्टि जैसी स्थितियों के लिए स्वयं को तैयार रखना होगा। सवाल यही है कि हमारी जिम्मेदार संस्थाएं इसके लिए कितनी तैयार हैं? आखिर भारतीय शहर कुछ ही घंटों की बारिश में क्यों अव्यवस्था से कराहने लगते हैं? इसकी पड़ताल करें तो पाएंगे कि कालबाह्य ड्रेनेज के साथ ही अपर्याप्त सीवेज नेटवर्क इसका सबसे प्रमुख कारण है। अधिकांश शहरों में बरसाती नाले–नालियां सैकड़ों वर्ष पुरानी हैं। इन्हें अंग्रेजों ने तब बनाया था, जब आबादी मौजूदा स्तर से बहुत कम थी। इससे भी बदतर है इन नालियों में बहने वाली सामग्री। इनमें केवल वर्षा का पानी ही नहीं, बल्कि अशोधित सीवेज, हर किस्म का कचरा और औद्योगिक अपशिष्ट भी बहता है। अधिकांश भारतीय शहरों के आधे से भी कम हिस्से में सीवेज कवरेज है। आधे से अधिक घर सीवेज शोधन संयंत्रों से नहीं जुड़े हैं। शहरों के एक बड़े हिस्से में सीवेज लाइन नहीं हैं। कारखानों से निकलने वाले अपशिष्ट के शोधन में लगे संयंत्र स्तरीय नहीं हैं। इस अशोधित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट को नालियों (या ड्रेन्स) में बहा दिया जाता है, जिस कारण ये अट जाती हैं और फिर जरा सी बारिश में अनियंत्रित होकर बहने लगती हैं। हमारा लक्ष्य रहा है कि इन नालियों को सीधे हमारी पवित्र नदियों में गिरने से पहले शोधन संयंत्रों के साथ जोड़ दिया जाए। जहां यह कार्य अभी भी अपूर्ण है, वहीं हमें यह भी विचार करना चाहिए कि क्या यह प्रयास अपने आप में पर्याप्त है? क्या हम यह स्वीकार कर सकते हैं कि कचरे से भरी नालियां हमारे शहरों में कई किलोमीटर लंबा विस्तार लेकर बहती रहें? वे पर्यावरण को प्रदूषित करती हैं, भूजल को दूषित करती हैं और खेती को हानिकारक बनाती हैं। नियमित अंतराल पर दुर्घटनाओं के कारण इनमें गिरने से लोगों को जान भी गंवानी पड़ती है। इन परिस्थितियों में खुले में शौच से मुक्ति का हमारा दावा भी बेमानी लगता है। इसका समाधान खासा सरल, लेकिन स्पष्ट रूप से गायब है। आखिर प्रत्येक घर और प्रतिष्ठान में एक भूमिगत पाइप कनेक्शन सुनिश्चित कर उसे शोधन संयंत्र के साथ जोड़ना कितना कठिन है? केवल शोधित सीवेज ही नालियों में बहे। इन नालियों को ढक दिया जाए ताकि वे किसी बड़े कूड़ेदान की मानिंद बनकर न रह जाएं। इन नालियों को ढकने से इनके ऊपर बनने वाले ढांचे का विभिन्न उत्पादक रूपों में उपयोग कर लाभ भी उठाया जा सकता है। अपने नागरिकों को स्वास्थ्य के अनुकूल जीवन स्थितियां उपलब्ध कराने के लिए विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था संसाधनों की कमी का बहाना नहीं बना सकती। हमें ड्रेनेज नेटवर्क का विस्तार करने के साथ ही उसे अतिक्रमण से मुक्त रखने की आवश्यकता है। हम पर्याप्त वर्षा जल संरक्षण के लक्ष्य से भी अभी काफी दूर हैं। इससे न केवल जलभराव से बचाव में मदद मिलेगी, बल्कि अतिरिक्त पानी इकट्ठा होकर भूजल स्तर को बढ़ाने में भी सहायक होगा। प्रबंधन का एक आधारभूत सिद्धांत है–यूनिटी आफ कमांड यानी एकीकृत कमान, जिसका पालन नहीं किया जाता। ड्रेनेज और सीवेज नेटवर्क का संचालन एवं रखरखाव विभिन्न विभागों एवं मंत्रालयों के बीच फैला है। नगर निगम, विकास प्राधिकरण, सिंचाई विभाग, जल विभाग और कैंटोनमेंट बोर्ड आदि की अपनी भूमिका होती है। विडंबना यही है कि जिम्मेदारी सभी की है, किंतु जवाबदेही किसी की नहीं। ऐसे में, इन संबंधित संगठनों के बीच एक अनुक्रम स्थापित कर उन्हें उसी अनुरूप जवाबदेह बनाना उपयोगी एवं प्रभावी सिद्ध होगा। स्मार्ट सिटी' की तो बात रहने ही दीजिए, हमें रहने योग्य शहर मिल जाएं तो वही काफी है। शहरों को रहने योग्य बनाने की राह में आने वाली भारी कठिनाइयों से निपटने के लिए हमें सीवर और ड्रेन्स का प्रभावी उपाय करना ही होगा। यह स्पष्ट है कि हमारे देश में नागरिक सुविधाओं की गुणवत्ता हमारी आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे की वृद्धि से मेल नहीं खाती। अपनी अर्थव्यवस्था के आकार के अनुपात में हम स्वच्छता के मानकों पर अपनी क्षमताओं से बहुत पीछे हैं। ऐसे में, नागरिकों से मैं यही कहना चाहूंगा कि इन नारकीय परिस्थितियों को बर्दाश्त करना हमारी मजबूरी हो सकती है, लेकिन स्वीकार करना कतई नहीं। कारखानों से निकलने वाले अपशिष्ट के शोधन में लगे संयंत्र स्तरीय नहीं हैं। इस अशोधित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट को नालियों (या ड्रेन्स) में बहा दिया जाता है, जिस कारण ये अट जाती हैं और फिर जरा सी बारिश में अनियंत्रित होकर बहने लगती हैं। हमारा लक्ष्य रहा है कि इन नालियों को सीधे हमारी पवित्र नदियों में गिरने से पहले शोधन संयंत्रों के साथ जोड़ दिया जाए। जहां यह कार्य अभी भी अपूर्ण है, वहीं हमें यह भी विचार करना चाहिए कि क्या यह प्रयास अपने आप में पर्याप्त है? क्या हम यह स्वीकार कर सकते हैं कि कचरे से भरी नालियां हमारे शहरों में कई किलोमीटर लंबा विस्तार लेकर बहती रहें? वे पर्यावरण को प्रदूषित करती हैं, भूजल को दूषित करती हैं और खेती को हानिकारक बनाती हैं। नियमित अंतराल पर दुर्घटनाओं के कारण इनमें गिरने से लोगों को जान भी गंवानी पड़ती है। इन परिस्थितियों में खुले में शौच से मुक्ति का हमारा दावा भी बेमानी लगता है।

कोई ये नहीं कह सकता कि INDIA समान विचार वाले दलों का गठजोड़ है?

आइएनडीआइए में उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी है और इस गठबंधन की मुंबई में होने वाली अगली बैठक में कांग्रेस और शरद पवार की बची–खुची राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के साथ मेजबानी करती दिख सकती है। शिवसेना ने कभी खुद को कांग्रेस के विकल्प के रूप में पेश किया और फिर उसके साथ–साथ एनसीपी से भी लोहा लिया। भाजपा की सहायता से वह इन दोनों दलों का विकल्प भी बनी और सत्ता तक भी पहुंची, लेकिन आज वह कांग्रेस और एनसीपी, दोनों की गोद में है। शिवसेना दावा करती है कि वह हिंदुत्ववादी दल है, लेकिन इससे किसी को आपत्ति नहीं–न कांग्रेस को, न एनसीपी को, न राजद को और न ही इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को। इतना ही नहीं, हिंदुत्ववादी भाजपा से लड़ने का दम भरने वाले अन्य अनेक दलों और खासकर द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस और यहां तक कि वाम दलों के नेताओं को भी उद्धव ठाकरे के साथ मंच साझा करने में कोई संकोच–समस्या नहीं।

राजीव सचान

बेंगलुरु में एकत्र हुए 26 दलों के गठबंधन आइएनडीआइए यानी इंडिया अर्थात इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस ने स्वयं को भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर दिया है। बेंगलुरु में यह स्पष्ट हुआ कि इस गठबंधन की कमान कांग्रेस ने अपने हाथ में ले ली है और शायद इसीलिए विपक्षी दलों को एकजुट करने की पहल करने वाले नीतीश कुमार बैठक के बाद होने वाली प्रेस कांफ्रेंस में नहीं दिखे। लालू यादव भी नहीं दिखे। एक समय था, जब नीतीश कुमार ने जनता दल–यू को लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल के विकल्प के रूप में पेश किया था। यह कहकर कि लालू यादव का राज तो जंगलराज है, लेकिन आज वह न केवल राजद की गोद में हैं, बल्कि उस पर आश्रित भी हैं। यह मेल–मिलाप इसके बाद भी है कि लालू यादव भ्रष्टाचार के कई मामलों में सजायाफ्ता हैं। जो जद–यू और राजद कभी एक–दूसरे के विकल्प थे, वे अब साथ–साथ हैं और अब राजग का विकल्प बनने का दम भर रहे हैं। यह वही जद–यू है, जो कभी देश को आरएसएस मुक्त करने की बात किया करता था और फिर भाजपा से जा मिला था। विडंबना केवल यही नहीं। जो आम आदमी पार्टी डंके की चोट पर यह कहती थी कि हम किसी का विकल्प नहीं बनेंगे, बल्कि देश में वैकल्पिक राजनीति खड़ा करने के साथ नई तरह की राजनीति करेंगे, वह आज आइएनडीआइए के तले कांग्रेस समेत उन अनेक दलों के साथ है, जिनके नेताओं को एक समय भ्रष्ट, चोर, बेईमान, परिवारवादी और न जाने क्या–क्या कहती थी। आज आम आदमी पार्टी के नेता लालू यादव समेत इन्हीं सब नेताओं से खुशी–खुशी मिल रहे हैं। यह अजब भी है और गजब भी कि वे भी उनसे मिल गए, जो औरों के लिए कहते थे–सब मिले हुए हैं जी। आइएनडीआइए में उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी है और इस गठबंधन की मुंबई में होने वाली अगली बैठक में कांग्रेस और शरद पवार की बची–खुची राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के साथ मेजबानी करती दिख सकती है। शिवसेना ने कभी खुद को कांग्रेस के विकल्प के रूप में पेश किया और फिर उसके साथ–साथ एनसीपी से भी लोहा लिया। भाजपा की सहायता से वह इन दोनों दलों का विकल्प भी बनी और सत्ता तक भी पहुंची, लेकिन आज वह कांग्रेस और एनसीपी, दोनों की गोद में है। शिवसेना दावा करती है कि वह हिंदुत्ववादी दल है, लेकिन इससे किसी को आपत्ति नहीं–न कांग्रेस को, न एनसीपी को, न राजद को और न ही इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को। इतना ही नहीं, हिंदुत्ववादी भाजपा से लड़ने का दम भरने वाले अन्य अनेक दलों और खासकर द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस और यहां तक कि वाम दलों के नेताओं को भी उद्धव ठाकरे के साथ मंच साझा करने में कोई संकोच–समस्या नहीं। हैरानी नहीं कि राहुल गांधी का ऐसा कोई बयान आने ही वाला हो कि जिस तरह इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग पूरी तौर पर सेक्युलर है, उसी तरह उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी। बेंगलुरु में आइएनडीआइए की बैठक में ममता बनर्जी को विशेष महत्व मिला। उनकी कुर्सी सोनिया गांधी के बगल में थी। वह कभी कांग्रेस में थीं, लेकिन जब उन्होंने देखा कि बंगाल के कांग्रेसी नेता वाम दलों से न तो मुकाबला कर सकते हैं और न ही ऐसी कोई इच्छा रखते हैं तो उन्होंने अपना अलग दल तृणमूल कांग्रेस बनाया। लंबे संघर्ष के बाद उन्होंने वाम दलों को सत्ता से उखाड़ फेंका और तृणमूल कांग्रेस को उनके विकल्प के रूप में स्थापित किया, लेकिन आज ममता को कांग्रेस के साथ–साथ वाम दलों के नेताओं संग मंच साझा करने में कोई समस्या नहीं। हालांकि, उन्हें बंगाल में कांग्रेस और वाम दलों का साथ स्वीकार्य नहीं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व इस आशा में है कि हम सबमें कोई समझबूझ बन जाएगी। बंगाल कांग्रेस के नेता तृणमूल कांग्रेस समर्थकों की हिंसा से त्रस्त हैं, लेकिन कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व इस हिंसा पर मौन रहना ही बेहतर समझ रहा है। वह ममता को नाराज करने से बच भी रहा है और डर भी। ममता की आपत्तियों के बाद भी लगता नहीं कि बंगाल में कांग्रेस और वाम दलों का साथ छूटने–टूटने वाला है। वे यहां मिलकर चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन केरल में एक–दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं। वास्तव में केरल में कांग्रेस और वाम दल ही एक–दूसरे के विकल्प हैं। क्या कोई यह कह सकने का साहस कर सकता है कि आइएनडीआइए समान विचारधारा वाले दलों का गठजोड़ है? ऐसा कारनामा वही कर सकता है, जो किन्हीं कुतर्कों के जरिये यह सिद्ध करने में सक्षम हो कि वास्तव में 'समान' और 'विपरीत' एक–दूसरे के पर्यायवाची शब्द हैं? निःसंदेह आइएनडीआइए के पास यह कहने की सुविधा है कि राजग में भी ऐसे दल हैं, जो एक–दूसरे के विरोध में रहे–चुनाव लड़े और फिर उन्होंने आपस में हाथ मिला लिए। इसके उदाहरण भी गिनाए जा सकते हैं, जैसे हरियाणा में भाजपा अब जननायक जनता पार्टी के साथ है और मेघालय में अपने खिलाफ चुनाव लड़ने वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी के साथ। आइएनडीआइए के पास यह कहने की भी सुविधा है कि भाजपा जिन अजीत पवार को भ्रष्ट बताती थी, वह अब महाराष्ट्र में उसके संग सरकार में हैं, लेकिन क्या इससे 26 दलों वाला आइएनडीआइए 38 दलों वाले एनडीए से प्रभावी और राजनीतिक रूप से सशक्त हो जाता है? यदि कोई ऐसा मान लेता है तो उस पर किसी का वश नहीं, लेकिन विकल्प की ऐसी विचित्र राजनीति देखना दुर्लभ भी है और दयनीय भी। आइएनडीआइए में उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी है और इस गठबंधन की मुंबई में होने वाली अगली बैठक में कांग्रेस और शरद पवार की बची–खुची राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के साथ मेजबानी करती दिख सकती है। शिवसेना ने कभी खुद को कांग्रेस के विकल्प के रूप में पेश किया और फिर उसके साथ–साथ एनसीपी से भी लोहा लिया। भाजपा की सहायता से वह इन दोनों दलों का विकल्प भी बनी और सत्ता तक भी पहुंची, लेकिन आज वह कांग्रेस और एनसीपी, दोनों की गोद में है। शिवसेना दावा करती है कि वह हिंदुत्ववादी दल है, लेकिन इससे किसी को आपत्ति नहीं–न कांग्रेस को, न एनसीपी को, न राजद को और न ही इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को। इतना ही नहीं, हिंदुत्ववादी भाजपा से लड़ने का दम भरने वाले अन्य अनेक दलों और खासकर द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस और यहां तक कि वाम दलों के नेताओं को भी उद्धव ठाकरे के साथ मंच साझा करने में कोई संकोच–समस्या नहीं। हैरानी नहीं कि राहुल गांधी का ऐसा कोई बयान आने ही वाला हो कि जिस तरह इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग पूरी तौर पर सेक्युलर है, उसी तरह उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी। बेंगलुरु में आइएनडीआइए की बैठक में ममता बनर्जी को विशेष महत्व मिला। उनकी कुर्सी सोनिया गांधी के बगल में थी। वह कभी कांग्रेस में थीं, लेकिन जब उन्होंने देखा कि बंगाल के कांग्रेसी नेता वाम दलों से न तो मुकाबला कर सकते हैं और न ही ऐसी कोई इच्छा रखते हैं तो उन्होंने अपना अलग दल तृणमूल कांग्रेस बनाया। बेंगलुरु में यह स्पष्ट हुआ कि इस गठबंधन की कमान कांग्रेस ने अपने हाथ में ले ली है और शायद इसीलिए विपक्षी दलों को एकजुट करने की पहल करने वाले नीतीश कुमार बैठक के बाद होने वाली प्रेस कांफ्रेंस में नहीं दिखे।

हॉलीवुड का सुपरस्टार हैरिसन फोर्ड

पूरी तरह स्थापित 45 पुरस्कार अपनी झोली में लिए हुए हैरिसन फोर्ड को हॉलीवुड के सुपर स्टार का दर्जा प्राप्त है। मगर वो मात्र एक कुशल अभिनेता नहीं हैं, वो बहुमुखी प्रतिभा का व्यक्ति एक प्राइवेट पायलेट भी है, वह फिक्स्ड–विंग का एयरक्राफ्ट तथा हेलीकॉप्टर उड़ाता है, आवश्यकता पड़ने पर लोगों की सहायता करता है। उसके पास अपना एयरक्राफ्ट है। पैसे तो बहुत लोगों के पास होते हैं मगर बहुत कम लोग उसे सामाजिक कार्यों में उपयोग करते हैं। वह द ह्युमैनिटेरियन एवियेशन ऑर्गनाइजेशन 'होप ऑफ विन्स' के ऑनरेरी बोर्ड मेम्बर भी है। इतना ही नहीं यह अभिनेता अभिनय से पहले बढ़ईगीरी में पारंगत हो गया था, उसे पेशे के रूप में कर रहा था और आज भी शौकिया तौर पर बढ़ईगीरी करता है। वह मुख्यरूप से घरों की रिमॉडलिंग करता है और कैबिनेट बनाने के लिए उसकी ख्याति फैलती है, इलाके में उसकी मांग बढ़ जाती है। मगर अभी बात करते हैं, उसके अभिनय और उसकी फिल्मों की। 13 जुलाई 1942 को शिकागो में जन्मे इस अभिनेता के पिता का नाम क्रिस्टोफर फोर्ड था, जो पहले एक अभिनेता थे और बाद में विज्ञापन कंपनी से जुड़ गए। यहूदी नस्ल से जुड़ी मां डोरोथी रेडियो कलाकार हैं यानी अभिनय हैरिसन को विरासत में मिला है। पढ़ने में बहुत मन नहीं लगता था। विस्कोसिन के रिपन कॉलेज में उन्होंने अभिनय का कोर्स किया मगर पूरा करके से पहले कोलम्बिया फिर यूनिवर्सल से अनुबंध किया। पहले उन्हें फिल्मों तथा टीवी में प्रमुख भूमिकाएं न मिलकर गौण भूमिकाएं ही मिलीं। इनमें अक्सर 'आरनसाइड' तथा 'द विर्जिनियन' का नाम लिया जाता है। चार साल उन्होंने यह काम किया और फिर 1973 में 'अमेरिकन ग्राफिटी' में बॉब फैल्फा की भूमिका की और इसके चार साल बाद आई उनकी फिल्म 'स्टार वासरू एपीसोड 4– अ न्यू होप' (1977)। इसमें वे हैन सोलो बने हैं और इस फिल्म से कमाल हो गया। वे चाहते थे कि 'स्टार वासरू एपिसोड 6– रेटर्न ऑफ द जेडी' (1983) के अंत में हैन सोलो मर जाए परंतु निर्देशक जॉर्ज लुकस इसके पक्ष में नहीं थे। और इसके भी चार साल बाद एक और कमाल हुआ। 1981 में उनकी अभिनीत फिल्म 'इंडियाना जोन्स एंड द रेडर्स ऑफ द लोस्ट आर्क' आई। इसमें वे बने इंडियाना जोन्स। वे एक बुद्धिमान चरित्र के रूप में जाने जाने लगे। पहले स्क्रीन टेस्ट के बाद उनसे कहा गया था कि इस बिजनेस में तुम्हारा कोई भविष्य नहीं है। मगर उनका भविष्य यहीं था। हैरिसन फोर्ड की मुस्कान बहुत खूबसूरत है। यदि मेरी बात का विश्वास न हो तो फिल्म 'मेरिकन ग्राफिटी' देख लें। वह तंग करने वाला है मगर मारपीट नहीं करता है। इस फिल्म में बॉब फैल्फा का उसका चरित्र बिना किसी खास जटिलता के है। 'स्टार वार्स' फिल्मों की एक शृंखला है। अक्सर शृंखला वाली फिल्में उबाऊ होती जाती हैं मगर जॉर्ज लुकस की इस फिल्म की खासियत है कि हर आने वाली कड़ी के साथ इसका क्रेज बढ़ता गया। हर कड़ी अपने आप में एक पूरी फिल्म भी है, साथ ही आगे के लिए बहुत कुछ संभावनाएं छोड़ जाती है। स्टार वासरू एपीसोड 4– अ न्यू होप' क्लासिक मास्टरपीस में हैरिसन फोर्ड ने काफी दमदार अभिनय किया है, जबकि इस चरित्र हैन सोलो के रूप में पहली बार उसका परिचय दिया गया है। आज भी इसकी चर्चा लोग करते हैं। शायद नम्बर चार उनके लिए शुभ है, क्योंकि चार साल बाद शांत परंतु आकर्षक व्यक्तित्व के मालिक हैरिसन फोर्ड को पहली बार जॉन बुक के रूप में 'विटनेस' (1985) फिल्म के लिए अकादमी पुरस्कार तथा गोल्डन ग्लोब दोनों में नामांकन मिला। हालांकि इस फिल्म को स्क्रीनराइटिंग तथा एडीटिंग के लिए ऑस्कर मिला। पीटर वियर की इस दो घंटे की फिल्म में आमिश समुदाय का एक लड़का अपनी मां के साथ फिलाडेलफिया जा रहा है, तभी एक हत्या होती है। लड़का इस हत्या का एकमात्र गवाह है। सरकारी वकील जॉन बुक (हैरिसन फोर्ड) बच्चे को बचाने के लिए सारे जतन करता है मगर इस चक्कर में उसकी जान पर बन आती है। अंततरू वह आमिश इलाके में जा छिपता है। और वहां यह सख्त मिजाज वकील एक आमिश समुदाय की स्त्री को अपना दिल दे बैठता है। इसके चार साल बाद आती है उनकी फिल्म 'इंडियाना जोन्स एंड द टेम्पल ऑफ डूम'। भारतीय दर्शकों को यह जान कर खुशी होगी कि स्टिवन स्पीलबर्ग द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कई भारतीय अभिनेता भी शामिल हैं। यहां रोशन सेठ, अमरीशपुरी (मोला राम), धर्मदास कुरुप हैं साथ ही एक श्रीलंका का अभिनेता डी.आर. नानायकरा भी यहां नजर आता है।

एबीसीकेएम ने मेधावी विद्यार्थियों व कायस्थ हस्तियों को किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गाजियाबाद अखिल भारतीय चित्रगुप्त कायस्थ महासभा द्वारा कायस्थ मेधावी छात्र सम्मान समारोह में विभिन्न बोर्ड के 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर दिल्ली–एनसीआर की कई कयस्थ हस्तियों को भी प्रतिभा सम्मान से नवाजा गया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन ने होनहारों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के सामाजिक दायित्व को एबीसीकेएम बखूबी निभा रहा है। इससे मेधावियों को तो प्रोत्साहन मिलेगा ही, साथ ही अन्य विद्यार्थी भी प्रेरित होंगे।

प्रताप विहार स्थित एसएसके पब्लिक स्कूल में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता व एबीसीकेएम के संरक्षक मनोज सक्सेना, सांसद प्रतिनिधि गुलशन भाम्भरी, अखिल भारतीय चित्रगुप्त कायस्थ महासभा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार श्रीवास्तव और समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रशांत बक्शी ने संयुक्त रूप से भगवान चित्रगुप्त के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्र–छात्राओं को प्रशंस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विजय श्रीवास्तव ने इस अवसर पर बताया कि संगठन सामाजिक सरोकारों के 9 वर्ष पूरे कर रहा है। इस बीच वह अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन करने के साथ–साथ धार्मिक आयोजनों को भी महत्व देते रहे हैं और संगठन का कई राज्यों में विस्तार देने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

मनोज सक्सेना ने कहा कि पुरस्कार और सम्मान छोटा–बड़ा नहीं होता। यह हर किसी के लिए प्रोत्साहन का काम करता है। इसे पाकर मेधावी छात्र–छात्राओं को सफलता की नई ऊंचाईयों तक पहुंचने का आत्मबल मिलता है। बच्चों के साथ–साथ माता–पिता और शिक्षकों का हौसला बढ़ेगा। गुलशन भाम्भरी ने विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए एबीसीकेएम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन होते रहने चाहिए। इससे बच्चों का उत्साहवर्धन तो होता ही है, उन्हें आगे बढ़ने की भी प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम में दिल्ली–एनसीआर की कई कायस्थ हस्तियों को भी प्रतिभा सम्मान से नवाजा गया। वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही जूनियर किशोर कुमार के नाम से मशहूर व दूरदर्शन से जुड़े दिल्ली के सुनील कुमार सक्सेना, महिला शिक्षक एवं समाजसेवी किरण श्रीवास्तव, ग्रेटर नोएडा के अतुल कुमार सक्सेना, श्रीवास्तव वेलफेयर एसोसिएशन के संयोजक आर. पी. श्रीवास्तव, बरेली के आलोक सक्सेना, दिल्ली के सुधांशु श्रीवास्तव, हिमांशु श्रीवास्तव एडवोकेट, गाजियाबाद के मदन मोहन श्रीवास्तव, राहुल माथुर आदि सम्मानित होने वाली कायस्थ हस्तियों में शामिल रहे।

संस्था के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पंडित अरविन्द शर्मा, श्रीमती रागिनी श्रीवास्तव, श्रीमती निभा श्रीवास्तव, विनोद कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, प्रमोद श्रीवास्तव, अभय श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, गौरव सक्सेना, मनोज श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, संजीव कुमार सक्सेना, संजीव किशोर सक्सेना, राज कुमार सक्सेना, संजय श्रीवास्तव आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

देश के शिक्षकों को सम्मानित करेगा समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर/गाजियाबाद। समाज के निचले पायदान पर खड़े लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कार्यरत संस्था समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने की घोषणा की है। यह समारोह आगामी 3 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। पूरे देश से प्रविष्टियां मंगाई गई हैं। प्रस्ताव भेजने की अंतिम तिथि 14 अगस्त, 2023 है।

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन ने बताया कि 'राष्ट्रीय सेवा शिक्षक सम्मान' के लिए देश के किसी भी राज्य से कोई भी शिक्षक प्रस्ताव भेज सकता है। अंतिम निर्णय समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसकेएफआई) द्वारा गठित सर्वोच्च निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री और राज्य सरकारों के मंत्रियों के अलावा कई शिक्षाविदों और विद्वानों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि एसकेएफआई शिक्षा, स्वास्थ्य, नारी सशक्तिकरण, प्रतिभाओं का सम्मान और कौशल विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में रविवार, 3 सितंबर को 'राष्ट्रीय सेवा शिक्षक सम्मान' समारोह आयोजित करने निर्णय लिया गया है। संस्था के राष्ट्रीय निदेशक विजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास कर दिए गए। संगठन का विस्तार करने के लिए सदस्यता अभियान शुरू किया गया है। पहचान, सम्मान और सामाजिक सरोकार के लिए जो लोग समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया से जुड़ना चाहते हैं, उनका स्वागत है। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक, कई जिला अध्यक्ष, युवा प्रकोष्ठ के महासचिव आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति /जिला अभिसरण योजना समिति की बैठक संपन्न

उमाकान्त लाला ब्यूरो चीफ

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जिला पोषण समितिध् जिला अभिसरण योजना समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार मुें संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि संभव अभियान के अंतर्गत सैम बच्चो का शतप्रतिशत् पंजीकरण ई०कवच पोर्टल पर ए०एन०एम० के द्वारा पूर्ण कराया जाये। आंगनबाड़ी, आशा, ए0एन0एम0 का तहसील स्तर पर व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर बेहतर समन्वय स्थापित करते हुये, सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन धरातल पर सुनिश्चित कराया जाये। जिलाधिकारी ने पोषण ट्रैकर ऐप पर बच्चो की वजन, लम्बाई, गृह भ्रमण, टेक होम राशन, लाभार्थी आधार सत्यापन, आधार किटो का एक्टिवेशन सैम बच्चो के पोषण स्तर में भी सुधार की समीक्षा की।

आंगनवाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्यो में 03 माह से कोई प्रगति न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने हेतु मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने समस्त कार्मिको को विकास खण्ड स्तर पर अपने तैनाती स्थल पर ही उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं प्रभारी को टी०एच०आर० एवं गृह भ्रमण की फीडिंग बढ़ाये जाने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित आर०बी०एस०के० प्रभारी को प्रतिमाह शत् प्रतिशत क्षमता के अनुरूप एन०आर०सी० में भर्ती कराये जाने हेतु भी निर्देशित किया। उन्होने समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं मुख्य सेविकाओं को क्षेत्र में रहकर विभागीय योजनाओं को गति प्रदान करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी , मुख्य चिकित्सा अधिकारी , जिला विकास अधिकारी , आयुष अधिकारी , जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी , जिला पंचायत राज अधिकारी , जिला कृषि अधिकारी तथा समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं मुख्य सेविकायें उपस्थित रहे ।

पेंशन के लिए नारी शक्तिमहासम्मेलन लखनऊ मे: डा यामिनी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अटेवा जौनपुर महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष डा यामिनी सिंह ने जौनपुर की सभी मातृ शक्ति से अपील किया है कि 30 जुलाई को लखनऊ में सभी पेंशन विहीन मातृ शक्ति पेंशन अधिकार महासम्मेलन मे सादर आमंत्रित हैं स अटेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधुजी जी महिला मोर्चा की प्रभारी रंजना सिंह के नेतृत्व में सभी नारी शक्ति का लखनऊ मे स्वागत है स यही से हम सभी अपने हक पुरानी पेंशन के बहाली के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व भारत के प्रधानमन्त्री जी से अपील व निवेदन करेंगी स डा यामिनी सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के लिए शानदार तैयारी चल रही हैस नारी शक्ति पेंशन अधिकार महासम्मेलन बहुत ही जोरदार होने वाला है क्योकि विश्वास का नाम है अटेवा स तो आइये मिलते है 30 जुलाई को लखनऊ में ।

जम्मू मेल छन्न अरोरियाँ पर रुकेगी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रेलयात्रियों के सुविधा के लिए रेलवे ने रेलगाड़ी संख्या 14033/14034 दिल्ली –श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–दिल्ली जम्मू मेल को दिनाँक 29.07.2023 से 12.08.2023 तक छन्न अरोरियाँ स्टेशन पर एक मिनट का अस्थाई ठहराव निम्नानुसार प्रदान करने का निर्णय लिया है :–

रेलगाड़ी संख्या 14033 दिल्ली जं०– श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा जम्मू मेल सुबह 05.25 बजे जबकि इसकी वापसी सेवा 14034 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–दिल्ली जं० जम्मू मेल साँय 06.06 बजे छन्न अरोरियाँ स्टेशन पर रुकेगी । दोनों दिशाओं में यह ठहराव एक एक मिनट के लिया होगा।

सेंट जोसेफ के 6 खिलाड़ी नेशनल टीम में शामिल

सीआईएससीई राष्ट्रीय कबड्डी और खो-खो टीम में सेंट जोसेफ के तीन-तीन खिलाड़ी चयनित

रीजनल कबड्डी में लखनऊ को दूसरा तो खो-खो में तीसरा स्थान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीआईएससीई यूपीध्यूके अन्डर–17 बालक कबड्डी की रीजनल प्रतियोगिता का आयोजन जेम्स एन्ड मेरी कान्वेंट स्कूल, ग्रेटर नोएडा में दिनॉक 23 व 24 जुलाई को किया गया। जोन–बी लखनऊ की अन्डर–17 टीम रीजनल कबड्डी में दूसरे स्थान पर रही। दमदार प्रदर्शन के चलते 'सेंट जोसेफ के उज्जवल पाल, विशेष दीक्षित व आदित्य कुमार को सीआईएससीई अन्डर–17 नेशनल कबड्डी के लिये चुना गया।'

'खो–खो में भी सेंट जोसेफ का दमदार प्रदर्शन'

वही अन्डर–19 रीजनल खो–खो प्रतियोगिता 26 से 28 जुलाई को ग्रेटर नोएडा के सेट जोसेफ स्कूल में सम्पन्न हुयी। जिसमें लखनऊ जोन–बी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। 'उत्कृष्ठ खेल की बदौलत सेंट जोसेफ लखनऊ के शुभजित देवनाथ, अनस वारसी और शुभम भारद्वाज को अन्डर–19 राष्ट्रीय खो–खो टीम में स्थान प्राप्त हुआ।'सेंट जोसेफ विद्यालय समूह की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता अग्रवाल ने प्रधानाचार्य लीना शर्मा, कोच सुधांश श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव व बच्चों को हार्दिक शुभकामनायें प्रदान की। वही प्रबन्ध निदेशक अनिल अग्रवाल ने खिलाड़ियों को कबड्डी व खो–खो के नेशनल टूर्नामेंट में विजयी होने की शुभकामनायें प्रदान की।

कारगिल विजय दिवस के वीर सपूतों को हार्दिक पुष्प श्रद्धांजलि अर्पित की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अ.भा. पू. सै.सेवा परिषद इकाई राठ हमीरपुर यू पी के पूर्व सैनिकों,समाज के प्रबुध्ध जनों, मातृ शक्ति व बच्चों ने मिल कर कारगिल विजय दिवस के वीर सपूतों को

हार्दिक पुष्प श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बिग सैल्यूट सम्मान, उन शहीदों की याद में शहीद स्तंभ पार्क राठ में कैंडील जला कर दिया किया गया।

भारत माता की रक्षा करते- करते अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले वीर सपूत - योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद्, कानपुर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कारगिल युद्ध में शहीद मेजर मनोज तलवार स्मारक पार्क, कृष्णापुरम रामादेवी, कानपुर में एतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में कारगिल विजय में विजय दिलाने वाले भारत माता की रक्षा करते– करते अपने प्राणों की न्योछावर करने वाले वीर सपूत – योद्धाओं को कारगिल में शहीद मेजर मनोज तलवार स्मारक पार्क और बैटल कैजुएलटी में शहीद सिपाही अनमोल प्रताप सिंह 03 अप्रैल 2015 को शहीद हुए के शहीद स्थल खाड़ेपुर, हनुमंत विहार, नौबस्ता, कानपुर में श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में ले. कर्नल बृजपाल सिंह राठौर, अध्यक्ष, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद् कानपुर प्रांत, जे. डब्लू. ओ. प्रहलाद सिंह, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री और कैप्टन महेश सिंह , कोषाध्यक्ष, कानपुर प्रांत रहे। कारगिल युद्ध के समय दुश्मनों का सामना करने वाले जाबांज सैनिकों में कैप्टन रवीन्द्र कुमार, सेना मेडल ने अपना अनुभव सभी को उल्लेखित किया। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद् कानपुर इकाई से पधाधिकारी ६ कार्यकारणीध्गणमान्य सदस्य एवं कृष्णापुरम परिषद् के अध्यक्ष और निवासी भी उपस्थित रहे ।

संयुक्तविकास आयुक्त ने अटल आवासीय विद्यालय का किया भौतिक निरीक्षण

अयोध्या। मंडलायुक्त गौरव दयाल के निर्देश के क्रम में संयुक्त विकास आयुक्त अरविंद चंद्र जैन, अयोध्या मंडल की अध्यक्षता में शुक्रवार को अटल आवासीय विद्यालय का भौतिक निरीक्षण किया गया ।संयुक्त विकास आयुक्त ने शेष बचे कार्यो को जल्द पूरा करते हुए 31 जुलाई तक हस्तगत कराए ।जिस पर पी डब्लू डी के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि 99: कार्य पूर्ण हो गया तथा शेष कार्य माह अंत तक पूरा हो जाएगा ।उन्होंने विद्यालय परिसर में पॉम ट्री रोपित किया और कहा कि परिसर में एक रूपकता लाने एवम और अधिक आकर्षक बनाने के लिए थीम आधारित पौधों को रोपित किया जाय ।निरीक्षण के दौरान उप श्रम आयुक्त प्रतिभा तिवारी, देवेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, श्री रजनीश गौतम,अधिशासी अभियंता, सिंचाई खंड, रमाशंकर मौर्य,अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड रुदौली पंकज राय,अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, अयोध्या, नारायण पी के राय, प्रधानाचार्य अटल आवासीय विद्यालय, श्री प्रभात कुमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी, प्रोजेक्ट मैनेजर आदि उपस्थित रहे।

अकेले डॉ. अंतिमा चला रहीं सात से अधिक पैथोलॉजी

लखनऊ (संवाददाता)। स्वास्थ्य विभाग में बड़े–बड़े खेल हैं। जिले में एक महिला चिकित्सक के नाम से सात से अधिक पैथोलॉजी संचालित की जा रही हैं। चर्चा तो यहां तक है कि इन सेंटरों पर अप्रशिक्षित कर्मचारी मरीजों की जांच कर रहे हैं। ऐसे में जांच के नाम पर ये मरीजों की जान के दुश्मन बने हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने एक–एक करके एक ही पैथोलॉजिस्ट के शपथपत्र पर सात लैब की अनुमति दी है। पोल खुलने के बाद स्वास्थ्य विभाग में अफरातफरी मच गई है। जिले में वर्तमाय समय में 67 पैथोलॉजी लैब संचालित हैं। इसमें अकेले डॉ. अंतिमा मिश्रा के नाम से सात से अधिक लैब का संचालन हो रहा है।

ड्राइविंग के समय हेलमेट पहने, सीटबेल्ट लगाएं, यातायात नियमों का पालन करें: जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गुरुवार सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई ।बैठक में जिलाधिकारी ने जौनपुर–आजमगढ़ मार्ग, जौनपुर–वाराणसी मार्ग, जौनपुर–सुल्तानपुर मार्ग जौनपुर–मछलीशहर मार्ग सहित मुख्य लिंक मार्गो पर साइनेज बोर्ड, अंधा मोड़ पर सतर्कता बोर्ड एवं स्पीड ब्रेकर लगाने, रोड के बीच में लगे सभी इलेक्ट्रिक पोल हटाने, डिवाइडर पर रिफ्लेक्टर लगाने एवं जनपद में जहां–जहां भी ब्लैक स्पॉट्स हैं उन्हें चिन्हित करने तथा एक विशेष कार्य योजना बनाकर इस पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए ।सिकरारा, बदलापुर सहित जनपद के कई स्थलों पर जहां विगत 01 वर्ष में अधिक सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी है इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जहां जो भी खामियां पाई जा रही है, उनका त्वरित निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करें और आवश्यकता होने पर पुलिस प्रशासन की भी मदद ले।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो को निर्देशित किया कि दुर्घटना की सूचना किसी भी माध्यम से प्राप्त होने पर एंबुलेंस कम से कम समय में मौके पर पहुंचकर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएं जिससे गोल्डन आवर में घायलों को उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

जिलाधिकारी ने लोगों से अपील किया कि वे ड्राइविंग करते समय हेलमेट पहने, सीटबेल्ट लगाएं, तथा यातायात नियमों का पालन करें। एनएचएआई के सहायक अधिशासी अभियंता की बैठक में अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जताई एवं उन्हें स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन रमेश चंद्र श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एक ही गांव के दो घरों से नकदी और जेवर पार

गौरीगंज(अमेठी) (संवाददाता)। थानाक्षेत्र के हरखूमऊ गांव में रात चोरों ने दो घरों को अपना निशाना बनाया। चोरों ने दोनों मकान से 1.11 लाख रुपये नकद सहित तीन लाख रुपये के जेवर चोरी कर लिए। बुधवार की सुबह गृहस्वामियों को जानकारी हुई तो पुलिस को सूचना दी। बाजारशुकुल थानाक्षेत्र के हरखू मऊ गांव निवासी रामनरेश के घर मंगलवार चोरों ने घर के पीछे पक्की दीवार में सेंध लगाकर प्रवेश कर गए। मकान में प्रवेश किए चोरों ने बक्से में रखे 25 हजार रुपये नकद व 50 हजार रुपए के कीमत के जेवरात पर हाथ साफ किया। दूसरी घटना इसी गांव के सुरेंद्र कुमार के यहां हुई।

डिपो में दिनभर खड़ी रहीं बसें, दो कंडक्टर सस्पेंड

लखनऊ (संवाददाता)। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने डिपो के दो कंडक्टरों को निलंबित कर दिया। आरोप है कि दोनों परिचालक बसों में नहीं गए। इससे दोनों बसें दिनभर डिपो में खड़ी रहीं और करीब 28 हजार का नुकसान हुआ। आरोप है कि एक परिचालक डिपो परिसर में घूमता रहा और चाय की दुकान पर चाय नाश्ता भी करता रहा, लेकिन ड्यूटी लगने के बाद भी बस को लेकर नहीं गया। एआरएम ने दोनों परिचालकों को सस्पेंड करते हुए अन्य कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रायबरेली डिपो के नियमित परिचालक अभिषेक कुमार निषाद की बुधवार को रायबरेली–सलोन–लखनऊ मार्ग की बस पर ड्यूटी थी। यह बस सुबह डिपो से निकलनी थी, लेकिन परिचालक ड्यूटी पर नहीं आए। एआरएम के संज्ञान में आया कि परिचालक डिपो पर घूम रहे थे, लेकिन ड्यूटी नहीं किया। मोबाइल भी नहीं उठाया। ऐसी में बस को स्थगित करना पड़ा। इससे डिपो को करीब 14 हजार रुपये का नुकसान हुआ।

मिशन शक्तिके तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान के तहत प्र0नि0 खेतासराय व ष्शक्ति दीदीष द्वारा हाफिजुल्लाह नाना इंटर कालेज (मनैच्छा) में छात्राओं को जागरूक कर महिला हेल्पलाइन नंम्बरों–1090,1076,112,181,1098,1930 के बारे में जानकारी दी गयी एवं पंम्पलेट वितरित किया गया ।इसी क्रम में मिशन शक्ति अभियान के तहत चन्दवक थान अंतर्गत महिला बीट अधिकारी ष्शक्ति दीदीष द्वारा जूनियर हाई स्कूल हीसामपुर में बालिकाओं को महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक किया गया एवं हेल्प लाइन नंबर वीमेन पावर लाइन 1090ध181ध112 व साइबर अपराधों के संबंध में जानकारी दी गई।

डीएम व सीडीओ ने विभिन्न विकास खण्डों में तैनात कई ग्राम पंचायत सचिवों को किया लैपटाप वितरित

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कमार व मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के विभिन्न विकास खंडो में तैनात 58 ग्राम पंचायत सचिवों को लैपटाप वितरित किया।कलेक्ट्रेट सभागार में पंचायती राज विभाग द्वारा प्राप्त 58 लैपटापों को जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत सचिवों में वितरित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित ग्राम पंचायत सचिवों को परम्परागत कार्यो के अतिरिक्त यूनिक कार्य भी करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लैपटाप का प्रयोग सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का डाटा कलेक्शन में भी करें।योजनाओं की जानकारी सबसे अहम होती है इससे जन सामान्य को जानकारी प्रदान करने में सुगमता होगी।उन्होंने कहा कि अब अधिकतर योजनायें पात्रता आधारित है। अतः विभिन्न योजनाओं की पात्रता वाले व्यक्तियों को योजनाओं की जानकारी प्रदान करें व उन्हें लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी योजना सम्बंधी प्रार्थना पत्र का निराकरण तेजी से करें तथा उसके पात्रता अथवा अपात्रता की रिपोर्ट अभियुक्ति में कारण सहित स्पष्ट रूप से दें।जिलाधिकारी नितीश कुमार ने कहा कि आयुष्मान योजना बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है पूरे जनपद में पात्रता सूची के अनुरूप शत प्रतिशत लाभार्थियों को इससे आच्छादित करें।जिलाधिकारी ने विकासखण्ड मसौधा में पंचायत भवनों पर लगाये गये विभिन्न योजनाओं की एक क्लिक पर जानकारी प्राप्त करने हेतु लगाये गये क्यू आर कोड आदि सम्बंधित डिस्प्ले बोर्ड को अन्य ब्लाकों के सभी ग्राम पंचायतों में लगवाने हेतु निर्देशित किया। डीपीआरओ ने बताया कि 150 ग्राम पंचायतों गौशाला हेतु भूमि चयन कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने उनमें कार्य प्रारम्भ करने तथा शेष ग्राम पंचायतों में भी अस्थायी निराश्रित गौ आश्रय स्थल स्थापित एवं संचालित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न ग्राम पंचायतों में बने सामुदायिक भवनों की भी उपयोगिता सुनिश्चित करने हेतु डीपीआरओ को निर्देशित किया।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि अब सभी योजनायें आनलाइन है, लैपटाप का बेहतर सदपयोग करें। एक्सेल सीट पर ग्राम पंचायत विस्तृत डाटा यथा परिवार रजिस्टर, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र सम्बंधी डाटा, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों आदि का अद्यतन डाटा रखें, इससे कार्यो में सुगमता प्राप्त होगी और पंचायत सचिव अपने कार्य प्रणाली को सरल एवं सुविधा जनक बना सकते है।इस अवसर पर डीपीआरओ, ग्राम पंचायत सचिव आदि उपस्थित रहे।

वीर नारियों एवं वीरांगनाओं का सम्मान किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के संयोजन में कारगिल विजय दिवस समारोह का आयोजन शहीद स्मारक हदरुक में पूर्व विधायक एवं शहीद स्मारक के संस्थापक सदस्य संतराम सिंह सेंगर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि सहित सभी गणमान्य विभूतियों एवं एनसीसी बटालियन के पदाधिकारियों एवं समस्त पूर्व सैनिकों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने अपने अपने विचार व्यक्त किए और कारगिल युद्ध में जनपद जालौन के शहीद हवलदार सरवन सिंह सेना मेडल को भावभीनी श्रद्धांजलि दी साथ ही साथ इस मौके पर उपस्थित वीर नारियों एवं वीरांगनाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्य कैप्टन डेंजमतˆपदही कैप्टन महेंद्र सिंह कैप्टन गंगा रामपाल सूबेदार मेजर आशाराम कवींतम सूबेदार तववचतंउ च्स सूबेदार एच एस भदौरिया सूबेदार मेजर अमर सिंह सूबेदार बलराम पाल लेफ्टिनेंट रामशंकर राठौर सूबेदार बाबू सिंह सूबेदार अर्जुन सिंह सूबेदार राजेश सिंह तोमर सुंदर गंगादीन सूबेदार रघुराज सिंह सूबेदार मेजर कल्याणचंद हवलदार रामपाल हवलदार नरेंद्र सिंह एवं आईओबी संगठन के उपाध्यक्ष हवलदार आशुतोष प्रजापत की टीम टीम सहित लगभग एक सैकड़ा सैनिक उपस्थित थे इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्थानीय निवासी झल्लू भदौरिया का विशेष योगदान रहा इसी क्रम में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सचिव कैप्टन गंगाराम पालने एक बहुत बड़ा सराहनीय काम किया। हमारे जनपद का एक जवान जिसे सन 1985 में मात्र 6 साल सर्विस होने के बाद उसको पागल घोषित करके घर भेज दिया था उसका केस हमारे अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सचिव कैप्टन गंगाराम पाल ने उचित माध्यम से लड़ा व उसकी पैरवी की जिसके फलस्वरूप उस सैनिक को 22 लाख रुपया दिलाया जो उनके अकाउंट में 2 दिन पहले आ गया उनके इस सराहनीय काम के लिए अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने उनको सम्मानित किया।

सोल्जर बोर्ड अधिकारी कैप्टन आईएनएस अजय कुमार तंवर ने प्रथम रीथ चढ़ाकर अमर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बांदा। बांदा जनपद के ऐतिहासिक दुर्ग भूरागढ़ में स्थापित अमर जवान शहीद स्मारक पर कारगिल विजय दिवस का भव्य आयोजन अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के संयोजन में किया गया जिसमे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोल्जर बोर्ड अधिकारी, कैप्टन आईएनएस अजय कुमार तंवर ने प्रथम रीथ चढ़ाकर अमर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की तदुपरांत वीरांगना श्रीमती रन्नो देवी पत्नी अमर शहीद सिपाही ओम प्रकाश ने अमर शहीदों को रीथ चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित की ,जनप्रतिनिधि श्री राजकुमार राज पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष ने पुनः रीथ चढ़ाकर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तदुपरांत श्री नरेंद्र सिंह परिहार एवं वरिष्ठ पूर्व सैनिक एवं अधयक्ष कैप्टन एसबी सिंह राठौड़ तथा नंद किशोर शुक्ला ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी उपरांत उपस्थित लगभग 100 की संख्या में पूर्व सैनिकों में पुष्पांजलि चढ़ाकर अमर जवानों को श्रद्धांजलि किया इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने अपने कारगिल युद्ध के कुछ संस्मरण सुनाए उनके द्वारा सेना मेडल श्री वीरेंद्र सिंह एवं वीरांगना श्रीमती रन्नो देवी को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों ने अपने कारगिल युद्ध के संस्मरणों द्वारा सभा को संबोधित किया जिसके कुछ यादगार पल आप सब के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

मेडिकल शिविर का उद्घाटन बैंक के अंचल प्रमुख आलोक कुमार अग्रवाल महाप्रबंधक ने किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक ने अपने सभी कर्मचारियों, अधिकारियों और कार्यपालकों के लिए चरक पैथोलॉजी की मदद से चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन केनरा बैंक अंचल कार्यालय में आयोजित किया। जिसमे सभी बैंक के कर्मचारियों के मुख्य अत्यावश्यक जांच (वायटल्स) जैसे ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी, बीएमआई किया गया। आहार, पोषण और डायटिशियन डॉक्टर इंदुजा दीक्षित पीएचडी गोल्ड मैडलिस्ट केजीएमयू ने लोगों को न्यूट्रीशियन संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। मेडिकल शिविर का उद्घाटन बैंक के अंचल प्रमुख आलोक कुमार अग्रवाल महाप्रबंधक ने किया और इस मौके पर उपमहाप्रबंधक लोकनाथ, संजय कुमार और ऊषा एस कुलकर्णी तथा अन्य उपस्थित रहे। प्रातः 10 बजे से शुरू होकर स्वास्थ परिक्षण शिविर शाम पांच बजे तक चला जिसमें सभी बैंक स्टाफ लाभान्वित हुए।

यूरिया खाद के लिए किसान हो रहे हैं परेशान 300 से 320 रुपये प्रति बोरी में मिल रही यूरिया खाद

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। अयोध्या–मिल्कीपुर में यूरिया खाद की बढ़ती मांग को देखते हुए और कालाबाजारी को रोकने के लिए साधन सहकारी समितियों एवं अन्य सहकारी इकाइयों से यूरिया लेने के लिए किसानों को खतौनी दिखानी होगी। किसानों को उनके फसल के रकबे के हिसाब से यूरिया दी जाएगी और पीओएस मशीन पर किसानों का अंगूठा भी लगाया जाएगा।

मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के विकासखंड अमानीगंज 9 हैरिंग्टनगंज 8 व मिल्कीपुर 5 कुल 22 साधन सहकारी समितियां है जिनके जिमें तहसील क्षेत्र के 95052 हजार किसान है। इनको समय समय पर खाद उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी है। किसानों के धान की रोपाई के बाद यूरिया की जरूरत है। अक्सर देखा जाता है कि धान की रोपाई के बाद यूरिया की कालाबजारी शुरू हो जाता है और किसान को यूरिया खाद के लिए इधर उधर दौड़ना पड़ता है। कृषि विभाग का दावा है कि यूरिया खाद की कोई कमी नही है, लेकिन साधन सहकारी समितियों से यूरिया खाद गायब होने लगी है। किसानों को यूरिया खाद मिलने में दिक्कत न हो और खाद की कालाबाजारी न होने पाए। इसे रोकने के लिए जिला कृषि अधिकारी ने किसानों को यूरिया बिक्री के संबंध में सहकारी समितियों और निजी विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि निजी खाद विक्रेता यूरिया के साथ किसानों को जिंक, सल्फर आदि की बिक्री न करें। सभी विक्रेता अपनी दुकान पर स्टाक की उपलब्धता और रेट का बोर्ड जरूर लगाएं। किसानों को पॉस मशीन से खाद की बिक्री करने के साथ उसकी रसीद जरूर दें।

किसान रामसेवक, बद्री प्रसाद, राजाराम मौर्या, बिन्धादीन तिवारी, राम अंजोर, दयाराम, देवी प्रसाद, लालू बहादुर, राम कुमार सिंह, रामजी मौर्या, अयूब खान, दातादीन सहित दर्जनों किसानों का कहना है कि सरकार लाख में लगा लेती है हम लोग खाद्य महंगी रेट पर ही मिलती है। न तो किसी दुकान संचालक द्वारा रेट लिस्ट नहीं लगाई जाती है, मौजूदा समय में प्राइवेट खाद विक्रेता यूरिया खाद 300 से लेकर 320 रुपए प्रति बोरी कि दार से बिक्री कर रहे हैं । जब किसी विभाग के अधिकारियों द्वारा अभियान चलाया जाता है तो दुकानदार दुकान बंद कर लापता हो जाते हैं अधिकारियों के जाने के बाद पुनः दुकान खोल कर मनमानी रेट पर खाद की बिक्री शुरू कर देते हैं। खाद विक्रेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जब जांच टीम क्षेत्र में आती है तो उससे पहले हम लोगों को जानकारियां कार्यलय से हो जाती हैं जिससे दुकानें बंद कर हट जाते हैं और जब टीम चली जाती है तो दुकान खोलकर बिक्री शुरू कर दी जाती है।

समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर जनसमस्याओं से जुड़े हुए मुद्दे को लेकर सौंपा ज्ञापन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।जन समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी नेअपना अभियान शुरू कर दिया है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी अयोध्या से मिलकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा और समस्याओं के त्वरित निस्तारण की मांग उठाई।आज समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी से मिलकर उन्हें जिले में तमाम जन समस्याओं की जानकारी देते हुए उसके निस्तारण की मांग की। सपा जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने बताया कि मोहर्रम का त्यौहार आने वाला है ऐसे में वोल्टेज बेहद खराब चल रहा है लोगों को बिजली की इन दिनों बेहद आवश्यकता है ऐसे में इस समस्या का त्वरित निस्तारण जरूरी है।उन्होंने बताया कि ग्रामीण जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत सड़कों के किनारे डाली गई पाइपों को लेकर तमाम समस्याएं उत्पन्न हुई जिससे ग्रामीणों को बहुत असुविधा हो रही है इसके अलावा तमाम सड़कें ऐसी हैं जहां इतने गड्ढे हैं कि उस पर चलना दूभर है । उन्होंने बताया कि तारुन बीकापुर आगा गंज पिपरी से पिछौरा चौराहे तक 3 किलोमीटर तक जर्जर मार्ग बेहद परेशानियों का सबब बना हुआ है ।इसके अलावा पूरे शहर को निर्माण कार्य के लिए इस तरह ब्लॉक किया गया है कि लोगों का आना–जाना दूभर हो चला है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में दुर्गा पूजा ईद मिलादुन्नबी बारावफात जैसे त्यौहार आने वाले हैं इन तमाम विकास कार्यों को इन त्योहारों से पहले पूरा कर लिया जाए ।उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 2 पुरुषोत्तम नगर चांदपुर हरबंस में पंचायत भवन ग्राम सचिवालय महानगर में है आंगनबाड़ी कार्यकत्री को समस्याओं से निजात दिलाने के लिए पंचायत भवन को नेहरू युवा संगठन से मुक्त कराए जाने की जरूरत है ।उन्होंने बताया कि महानगर में ग्रामीण अंचल के 41ग्राम सभा जुड़ी हैं उनका बिजली का बिल शहरी बिल के रूप में लिया जा रहा है परंतु बिजली ग्रामीण अंचल की सप्लाई के रूप में दी जा रही है उनको शहर से जोड़ा जाना जरूरी है। इसके अलावा जनपद के सरकारी गैर सरकारी विद्यालयों में पिछड़े वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति भी नहीं मिल रही है इसे भी दिलाया जाए । पार्टी प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि आज समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर जनसमस्याओं से जुड़े हुए मुद्दे पर एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी तादाद में कार्यकर्ता भी मौजूद थे ।उन्होंने बताया कि ज्ञापन लेकर समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया गया है । बैठक में सभी सदस्यों के बीच पुरानी पेंशन बहाली सहित 18 सूत्रीय मांग पत्र पढ़कर सुनाया गया तथा संघ के आगामी आंदोलन की तिथियों से अवगत कराते हुए आंदोलन को सफल बनाने की अपील की गई उक्त के संबंध में मंत्री प्राणेश रावत ने चरणबद्ध आंदोलन के बारे में बताया

बैठक में जिला कार्यसमिति सदस्य कुमारी तहसीन बानों कोषाध्यक्ष चरन आधार संयुक्त मंत्री लाल बाबू यादव वरिष्ठ , उपाध्यक्ष दिवाकर उपाध्याय मीडिया प्रभारी दीप सहाय डॉ शशीधर द्विवेदी शाहिदा परवीन रविंद्र श्रीवास्तव, अनीता श्रीवास्तव कंचन प्रभा यादव दिवाकर उपाध्याय विनोद कुमार सिंह राघवेंद्र मिश्रा जुबेर शाहिद रामानंद मौर्य अंजलि रिजवी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव ने की चर्चा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। दिल्ली में भारत सरकार के केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री कौशल किशोर से मिलकर विभिन्न विषयों पर भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव ने वार्ता किया।

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में बीफार्मा में 51 अभ्यर्थियों ने कराई प्रवेश काउंसिलिंग

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में गुरूवार को बीफार्मा पाठ्यक्रम की प्रवेश काउंसिलिंग हुई। जिसमें 60 सीट के सापेक्ष 51 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग कराकर अपना प्रवेश सुनिश्चित कराया। आवासीय प्रवेश समन्वयक प्रो0 विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि बीफार्मा पाठ्यक्रम में 51 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग कराई। प्रवेश काउंसिलिंग प्रक्रिया प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 सुधीर श्रीवास्तव, डॉ0 रवि प्रकाश पाण्डेय, डॉ0 विमल यादव, डॉ0 अजय शुक्ला, डॉ0 अंकुर श्रीवास्तव, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 विष्णु यादव, डॉ0 सरिता द्विवेदी, डॉ0 मनीषा यादव, डॉ0 प्रशांत सिंह ने सम्पन्न कराई। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि शुक्रवार को संत कबीर सभागार में एमएड के अभ्यर्थियों की प्रवेश हेतु काउंसिलिंग होगी। उक्त अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या जिलाधिकारी नितीश कुमार ने कलेक्ट्रेट परिसर से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि यह प्रचार वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों यथा विकासखंड में कृषक भाइयों को फसल बीमा योजना के संबंध में जागरूक करेगा। उन्होंने आगे बताया कि जनपद के समस्त विकास खंडों में वर्ष 2023 से 2026 के खरीफ एवं रबी मौसम में क्रमशः धान एवं गेहूं की फसल को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु अधिसूचित किया गया है। धान में 1704 रू0 प्रति हे0 व गेहूँ में 1167 रू0 प्रति हे0 कृषक अंश बीमा प्रीमियम है। बीमा कराने कि अंतिम तिथि 31 दिसम्बर है। वर्ष 2023–24, 2024–25 एवं 2025–26 के खरीफ व रबी मौसम में पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना खरीफ सीजन में लागू है। खरीफ सीजन में केला पर फसल बीमा विकासखंड सोहावल, रुदौली, माया बाजार, पूरा बाजार, बीकापुर व तारून में लागू है केला पर 7500 रू0 प्रति हे0 कृषक अंश बीमा प्रीमियम है तथा दिनांक 31 जुलाई अन्तिम तिथि है। रबी सीजन में टमाटर पर फसल बीमा विकासखंड सोहावल, रुदौली, मयाबाजार, पूरा बाजार, बीकापुर व तारून में लागू है। टमाटर पर 2500 रू0 प्रति हे0 कृषक अंश बीमा प्रीमियम है। दिनांक 30 नवम्बर, अन्तिम तिथि है। रबी सीजन में आम विकासखण्ड मसौधा, सोहावल, मयाबाजार में लागू है आम पर 3500 रू0 प्रति हे0 कृषक अंश बीमा प्रीमियम है। दिनांक–15 दिसम्बर अन्तिम तिथि है। अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल को उगाने वाले सभी कृषक (बटाईदार व किराये पर खेती करने वाले कृषकों सहित) योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। ऋणी किसानों को संबंधित बैंक द्वारा स्वतः कवर किया जायेगा, यदि उन्हें बीमा नहीं लेना है तो अपने बैंक शाखा स्तर पर बीमा कराने की अंतिम तिथि के 07 दिन पहले तक प्रतिभागिता नहीं करने के संबंध में लिखित रूप से बैंक को देना होगा। गैर ऋणी कृषक स्वैच्छिक आधार पर निकटतम बैंक शाखाध्बीमा कम्पनी के एजेंटध्कामन सर्विस सेन्टर यबौद्धध जन सेवा केन्द्रध्सीधे फसल बीमा पोर्टल पर ऑनलाइन बीमा करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे ऋणी कृषक जिन्होंने पहले योजना में प्रतिभागिता नहीं करने का प्रार्थना पत्र दिया था, परन्तु अब कृषक द्वारा योजना में प्रतिभागिता करनें हेतु प्रार्थना पत्र दिया है एवं बैंक शाखा द्वारा योजना में कवर नहीं किया जाता है तो क्षतिपूर्ति देय होने पर संबंधित कृषक को संबंधित बैंक शाखा द्वारा क्षतिपूर्ति का भुगतान किया जायेगा। यह आवश्यक है कि बैंक शाखा द्वारा ऋणी कृषक की प्रीमियम अंश की कटौती बीमा कराने की कट आफ डेट के अन्तिम 07 दिनों में करें। नये के0सी0सी0 बनाने के समय,पुराने के0सी0सी0 को नवीनीकृत करने के समय,बैंक संबंधित किसान को फसल बीमा में प्रतिभागिता के संबंध में जानकारी देगी।

छात्रवृत्ति घोटालाः 65 करोड़ रुपये के घोटाले के पुख्ता साक्ष्य मिले, एसआईटी ने भी की तीनों की गिरफ्तारी

लखनऊ (संवाददाता)। छात्रवृत्ति घोटाले की परतें अब खुल रही हैं। एसआईटी की जांच में अब तक 65 करोड़ रुपये के घोटाले के पुख्ता साक्ष्य मिले हैं। हाइजिया ग्रुप के संचालकों पर शिकंजा और मजबूत होता जा रहा है। उधर घोटाले में ईडी ने जिन तीनों आरोपियों को जेल भेजा था, एसआईटी ने भी अब उनकी गिरफ्तारी कर ली है। पिछले सप्ताह ही इससे संबंधित न्यायालय की पूरी कार्रवाई कर ली है। अब एसआईटी के पास सितंबर तक चार्जशीट दाखिल करने का वक्त है। ईडी ने छात्रवृत्ति घोटाले का खुलासा किया था। मनी लांड्रिंग का केस दर्ज कर हाइजिया ग्रुप के संचालकों इजहार हुसैन जाफरी, अली अब्बास जाफरी और रवि प्रकाश गुप्ता को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इधर शासन के आदेश पर हजरतगंज पुलिस ने 30 मार्च 2023 को प्रकरण में एफआईआर दर्ज की थी। जिसमें सौ करोड़ रुपये के घोटाले की आशंका जताई थी। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर ने केस की विवेचना के लिए एसआईटी गठित की थी। तब से लगातार ईडी के साथ साथ एसआईटी विवेचना कर रही है। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की जांच में अब तक 65 करोड़ रुपये के घोटाले की पुष्टि हो चुकी है। इसमें दिव्यांग छात्रों के नाम पर करीब 35 करोड़ व अन्य छात्रों के नाम पर 30 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति ली गई। फिलहाल विवेचना जारी है। घोटाले की राशि बढ़ सकती है। एसआईटी ने विवेचना की शुरुआत में सबसे पहले जेल में बंद इलहार, अली अब्बास और रवि प्रकाश से कोर्ट से अनुमति लेकर पूछताछ की। सुबूत जुटाए। उसके बाद अब गिरफ्तारी की। केस के नामजद आरोपी लकी जाफरी के खिलाफ भी ईडी के बाद एसआईटी के हाथ अहम सुबूत मिले हैं। चूंकि वह मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत पर है। लिहाजा उसकी गिरफ्तारी नहीं की गई। दस संस्थानों के कुल 18 आरोपी केस में हैं। 14 आरोपियों के खिलाफ तफ्तीश जारी है। जल्द उनकी भी गिरफ्तारी हो सकती हैं। एफआईआर में फिनो बैंक के कर्मचारी और अधिकारी भी आरोपी हैं। सूत्रों के मुताबिक बैंक कर्मियों के खिलाफ अब तक घोटाले में शामिल होने के साक्ष्य नहीं मिले हैं। ईडी और एसआईटी को बैंक प्रशासन ने घोटाले संबंधित सभी दस्तावेज आदि उपलब्ध कराए हैं। जानकारी के मुताबिक बैंक कर्मियों को गवाह बनाने की तैयारी है। जो आरोपियों के खिलाफ बेहद अहम साबित होने की अंदेशा है। हाइजिया ग्रुप के संचालकों पर शिकंजा और मजबूत होता जा रहा है।

यातायात जागरुकता को स्कूलों में नोडल टीचर नामित करें

गौरीगंज(अमेठी) (संवाददाता)। एक अप्रैल से 30 जून तक 5287 बिना हेलमेट व 771 बिना सीट बेल्ट वाहन संचालित मिलने पर कार्रवाई की गई है। प्रत्येक विद्यालय में विद्यालय यान सुरक्षा समिति का गठन किया जाएगा। समिति की नियमित बैठक कर वाहनों के चालकोंध्परिचालकों की पूर्ण निगरानी एवं वाहनों के प्रपत्रों की नियमित जांच कराई जाएगी। स्कूलों में एलपीजी युक्त वाहनों का संचालन नहीं कराया जाएगा। बिना फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त किए संचालित हो रहे वाहनों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। जो वाहन अपनी आयु सीमा पूर्ण कर चुके हैं, उनके प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत कराकर पंजीकरण निरस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम राकेश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। डीएम ने स्कूली वाहनों के संचालन को नियमानुसार सुनिश्चित करने की बात कही। स्कूली से बच्चों को लाने व ले जाने के लिए संचालित वाहनों को लेकर स्कूलों के प्रबंधक व प्रधानाचार्य सतर्क रहें।

संविधान बचाओ : आपस में ही भिड़े यूपी के कांग्रेसी नेता, बिफरे प्रांतीय अध्यक्ष नकुल दुबे गाड़ी में जा बैठे

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी के बहराइच जिले में प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने संविधान बचाओ कार्यक्रम आयोजित किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान कई बार गहमागहमी का माहौल बना। कुछ–कुछ देर के बाद हंगामे जैसे हालात बनते दिखे।

प्रदेश अध्यक्ष के सुरक्षा गार्ड द्वारा मीडिया कर्मी को धक्का देने के चलते मीडिया कर्मियों ने कुछ देर के लिए कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया। वहीं इसके बाद कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सुरक्षा गार्ड ने पूर्व सांसद कमांडो कमल किशोर को धक्का देने की कोशिश की, जिससे वह भड़क उठे। वहीं इसी दौरान किसी बात को लेकर प्रांतीय अध्यक्ष नकुल दूबे गुस्सा हो गए और कुछ लोगों से मुझे मारो–मुझे मारो कहते दिखे। वह कार्यक्रम को छोड़कर बाहर जाते दिखे और किसी बात से बहुत नाराज लगे। बाद में वह जाकर अपनी गाड़ी में बैठ गए। राहुल गांधी ने जब भारत जोड़ो यात्रा निकाली और 4000 किलोमीटर की यात्रा कर लोगों से मिले तो ये भाजपा को नहीं पचा। भाजपा ने सदस्यता खत्म करने की साजिश रच डाली। 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री ने दो करोड़ रोजगार प्रति वर्ष देने का वादा किया था। सभी परिवारों के बैंक खाते में 15 लाख रुपए भेजने की बात कही, लेकिन सब भूल गए। मणिपुर में हृदय विदारक घटना हुई।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।